हरिभूमि

रोहतक भूमि

रोहतक, रविवार, 6 अप्रैल 2025

तापमान

अधिकतम 37 .6 डिग्री
न्यूनतम 13 .8 डिग्री

9 किसी भी मरीज की बीमारी को हल्के में न लें पीजी के ...

10 हैफेड ने 1,636 गेहूं व 1,100 क्विंटल सरसों की ...

खबर संक्षेप

प्रो. डॉ. संतोष तिवारी बने जेनेटिक्स विभागाध्यक्ष

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने जेनेटिक्स विभाग के प्रोफेसर डॉ. संतोष तिवारी को जेनेटिक्स विभाग का अध्यक्ष मनोनीत किया है। कुलसचिव डॉ. कृष्णकांत ने बताया कि बतौर जेनेटिक्स विभागाध्यक्ष प्रो. संतोष तिवारी की नियुक्ति 6 अप्रैल से तीन वर्ष हेतु प्रभावी रहेगी।

परीक्षाओं की डेटशीट विवि वेबसाइट पर उपलब्ध

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय ने बीए-प्रथम, तीसरे व पांचवें सेमेस्टर, बीकॉम तीसरे व पांचवें सेमेस्टर तथा बीएससी पास कोर्स की तीसरे व पांचवें सेमेस्टर, बीए एलएलबी पहले पांचवें सेमेस्टर तथा बीएससी स्पोर्ट्स साइंस के प्रथम, तीसरे व पांचवें की (केवल लेफ्ट आउट स्टूडेंट्स जो स्पोर्ट्स, एनसीसी, आरडीसी तथा सांस्कृतिक गतिविधियों के चलते दिसंबर 2024 की परीक्षा में शामिल नहीं हो सकते थे) की स्पेशल एग्जामिनेशन की थ्योरी की परीक्षाएं 9 अप्रैल से प्रारंभ होंगी। परीक्षा नियंत्रक प्रो. गुलशन लाल तनेजा ने बताया कि उपरोक्त परीक्षाओं की डेटशीट विश्वविद्यालय वेबसाइट पर उपलब्ध रहेगी।

डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती धूमधाम से मनाएंगे

महम। वकीलों द्वारा बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती धूमधाम से मनाई जाएगी। बार एसोसिएशन महम के उपप्रधान राजपाल अहलावत ने बताया कि 9 अप्रैल को बाबा साहेब भीम राव अंबेडकर की जयंती का कार्यक्रम दोपहर एक बजे शुरू होगा। इस मौके पर राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा बतौर मुख्य अतिथि कार्यक्रम में शामिल होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता बार एसोसिएशन महम की ज्वाइंट सेक्रेटरी ममता कटारिया करेंगी।

सुनो नहरों की पुकार मिशन ने चलाया अभियान

रोहतक। नहरों के जल की शुद्धता व स्वच्छता के लिए विशेष अभियान के तहत शनिवार को नवरात्रों के आठम के दिन सुनो नहरों की पुकार मिशन सदस्यों और सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के संयुक्त तत्वाधान में लोगों को जागरूक किया गया। मिशन के मुख्य संरक्षक डॉ. जसमेर सिंह ने बताया कि प्रत्येक वर्ष के नवरात्रों में जिस प्रकार लोगों को जागरूक करके जीवन दायनी नहरों के पानी को बचाया जाता है उसी की तत्परता में इन नवरात्रों में भी विशेष अभियान रोहतक के सात पुलों पर चलाया गया। भाजपा के युवा नेता संचित नांदल भी मिशन के योद्धाओं को समर्थन करने के लिए पहुंचे।

मदवि में फिल्म महोत्सव के समापन समारोह में सीएम नायब सिंह सैनी बोले, हरियाणा की नई पहचान बनेगी

प्रदेश में फिल्म उद्योग के लिए अपार संभावनाएं

- हरियाणा की माटी में वीरता, कला और संस्कृति का अनमोल संगम
- सरकार का उद्देश्य हरियाणा को हॉलीवुड, बॉलीवुड व दुनिया के अन्य फिल्म निर्माताओं के लिए आकर्षण का केंद्र बनाना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा में फिल्म उद्योग के लिए अपार संभावनाएं हैं। इसी को मूर्त रूप देने के लिए सरकार ने हरियाणा में फिल्म एवं मनोरंजन नीति लागू की है। इस नीति के तहत फिल्मों की शूटिंग की परमिशन ऑनलाइन दी जाती है।

सरकार का उद्देश्य हरियाणा को हॉलीवुड, बॉलीवुड व दुनिया के अन्य फिल्म निर्माताओं के लिए आकर्षण का केंद्र बनाना है। अभी तक गोवा और पुणे में इस प्रकार के फिल्म महोत्सव आयोजित किए जाते रहे हैं, लेकिन हरियाणा में फिल्म महोत्सव का आयोजन एक साहसिक कार्य है। इससे सिनेमा जगत में हरियाणा की एक नई पहचान बनेगी। मुख्यमंत्री शनिवार को महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में सिने फाउंडेशन, हरियाणा (विश्व संवाद केन्द्र) तथा महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय फिल्म महोत्सव के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।

लोगों का अभिवादन स्वीकारते सीएम

मुख्यमंत्री का संबोधन

हरियाणवी डांस

हरियाणा के युवाओं ने फिल्म जगत में पहचान बनाईः सुनील आंबेकर

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक में आयोजित फिल्म महोत्सव के अवसर पर कहा कि आज हरियाणा के युवाओं ने फिल्म जगत में जो पहचान बनाई है, वह गर्व का विषय है। हमारे बीच अभिनेता राजकुमार राव जैसे उदाहरण मौजूद हैं जिन्होंने अपने अभिनय और कार्य के माध्यम से हरियाणा का नाम राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है।

हरियाणवी संस्कृति, कला और भाषा के प्रति गहरी आस्था

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि फिल्म महोत्सव हरियाणा की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को समझाने और उसे प्रोत्साहित करने का सराहनीय प्रयास है। यह केवल सिनेमा का पर्व नहीं है, बल्कि हरियाणवी संस्कृति, कला और भाषा के प्रति हमारी गहरी आस्था और सम्मान का प्रतीक भी है। हरियाणा की माटी में वीरता, कला और संस्कृति का अनमोल संगम है। यहाँ की लोक कला, संगीत और नृत्य अपनी मौलिकता और जीवंतता के लिए विश्व प्रसिद्ध हैं। उन्होंने कहा कि यह महोत्सव हरियाणवी सिनेमा के गौरवशाली परंपरा का जीवंत प्रतीक है। उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश राजनीतिक व प्रशासनिक इकाई के साथ-साथ अपनी सांस्कृतिक, प्राकृतिक, शौर्य, परंपरा और स्वाभिमानी जीवन जीने की अलग पहचान रखता है। उन्होंने कहा कि हरियाणा की इस माटी में परिश्रम, पराक्रम और परमेश्वर का अद्भुत संगम है। यहां की धरती ने न केवल योद्धाओं और खिलाड़ियों को जन्म दिया बल्कि संगीत और संस्कृति के क्षेत्र में भी अपना विशेष योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि सिनेमा केवल मनोरंजन का साधन नहीं बल्कि सामाजिक परिवर्तन और जन जागरण का भी सशक्त माध्यम है। हरियाणवी सिनेमा ने भी अपने सफर में समाज को जागरूक करने, परंपराओं को संजोने और नवीन विचारधाराओं को प्रोत्साहित करने का कार्य किया है। उन्होंने सिनेमा को युवा पीढ़ी को प्रभावित करने वाला सशक्त माध्यम बताते हुए कहा कि हमें सकारात्मक विषयों के साथ सिनेमा को युवाओं तक पहुंचाना चाहिए। इस दिशा में सिनेमा जगत से जुड़ी हस्तियां पहल करें।

युवा अवसरों का लाभ उठाएं : राजकुमार राव

हरियाणा निवासी और हिन्दी सिनेमा के प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता राज कुमार राव ने कहा कि आज भारत की विश्व में एक अनूठी पहचान बनी है और सिनेमा क्षेत्र में आज नए-नए आयाम व अवसर पैदा हो रहे हैं। इसलिए युवाओं को इन अवसरों का लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने युवाओं से कहा कि अपने जुनून के साथ पूरी मेहनत और लगन के साथ आगे बढ़ेंगे तो आपको सफलता अवश्य मिलेगी।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल कौशिक, सीताराम व्यास, रोहतक के मेयर रामअवतार वाल्मीकि, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजबीर सिंह, राजेश जैन, विश्व संवाद केन्द्र, हरियाणा के अध्यक्ष डा. मार्कण्डेय आहूजा, सचिव राजेश कुमार, हरिओम, डॉ. कृष्णकांत गुप्ता, भाजपा जिला अध्यक्ष रणबीर ढाका, लक्ष्मी नारायण, जवाहर लूथरा, डॉ. आदित्य बत्तरा सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।उन्होंने कहा कि फिल्में अब सिर्फ मनोरंजन तक सीमित नहीं रह गईं, अब यह सामाजिक परिवर्तन और प्रेरणा का माध्यम बन चुकी हैं।

बलियाणा मोड पर स्थित शराब ठेके पर हुई थी वारदात

ट्रिपल मर्डर मामले में 5 हजार का इनामी आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

पुलिस ने सोनीपत रोड बलियाना मोड़ पर स्थित शराब ठेके पर हुए ट्रिपल मर्डल की वारदात में 5 हजार रुपये इनामी आरोपी को गिरफ़्तार किया है। आरोपी को कोर्ट में पेश कर 3 दिन के रिमांड पर लिया है। सीआईए-2 प्रभारी सतीश कुमार ने बताया कि 20 सितंबर 2024 को पुलिस को सूचना मिली कि रोहतक सोनीपत रोड पर बलियाणा मोड के पास स्थित शराब ठेके पर गोली चली है। गोली लगने से घायल हुए पांच युवकों को ईलाज के पीजीआईएमएस भर्ती करवाया गया। पुलिस टीम ने तुरंत मौके पर पहुंचकर जांच शुरु की। डॉक्टरों की टीम द्वारा तीन युवकों को मृत घोषित किया गया। मृत युवकों की पहचान जयदीप निवासी बोहर, विनय निवासी बोहर व ठेकेदार अमित उर्फ मोनू निवासी बोहर के रुप में हुई। सेल्समैन अनुज की शिकायत के आधार पर थाना आईएमटी में केस दर्ज करके जांच शुरु की गई। जांच में सामने आया कि अमित उर्फ मोनू ने सोनीपत रोड पर बलियाणा मोड़ के पास शराब का ठेका लिया हुआ है। अनुज, अमित उर्फ मोनू के शराब के ठेके पर करीब 5 साल से सैल्समैन का काम करता है। 19 सितंबर 2024 को अनुज अपनी सैल्समैन की सीट पर बैठा हुआ था।

आरोपित पुलिस की गिरफ्त में

सकारात्मक सोच के साथ जीवन में आगे बढ़ना चाहिए: डॉ. संजय गुप्ता

रोहतक। वैश्य महाविद्यालय में चल रहे वाईआरसी कैंप के तीसरे दिन का शुभारंभ प्राचार्य डॉ. संजय गुप्ता, मुख्य वक्ता डॉ. हरीश वशिष्ठ, श्याम शर्मा जिला रेडक्रॉस सचिव ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। प्राचार्य डॉ. संजय गुप्ता ने विद्यार्थियों से कहा कि जीवन में हमें प्रतिदिन कुछ अच्छा सीखने का मौका मिलता है और हमें इस प्रकार के अवसर का पूरा लाभ उठाना चाहिए। मनोरोग चिकित्सक डॉक्टर हरीश वशिष्ठ ने विद्यार्थियों को स्ट्रेस मैनेजमेंट के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि हमें अपनी समस्याओं को इतना बड़ा नहीं मानना चाहिए और यदि जीवन में कोई समस्या है तो उसके क्या-क्या निवारण हो सकते हैं उनके विषय में सोचकर जो सबसे बढ़िया समाधान हो उसको अपनाना चाहिए। साथ ही उन्होंने कहा कि बातचीत के माध्यम से भी चिंता को कम किया जा सकता है। रेडक्रॉस सचिव श्याम शर्मा ने विद्यार्थियों को बताया कि हमारे शब्दों में बहुत शक्ति होती है और हमें सकारात्मक सोच के साथ जीवन में आगे बढ़ना चाहिए।

नेहरू कॉलोनी निवासी अमित की डिस्पोजल मशीन एक युवक ने हड़पी, मामला दर्ज

रोहतक। नेहरू कॉलोनी निवासी एक युवक की डिस्पोजल मशीन एक युवक ने हड़प ली। जिसकी शिकायत युवक ने सिटी थाना पुलिस को दी। पुलिस ने केस दर्ज करके मामले की जांच शुरू कर दी है। सिटी थाना पुलिस को दी शिकातय में अमित ने बताया कि वह नेहरु कालोनी रोहतक का रहनें वाला हैं। वह पहले सजंय कॉलोनी में रहता था। इस दौरान मैनें अपने मकान को बेच दिया था तो मेरे पास घर न होनें के कारण डिस्पोजल प्लेट बनानें की मशीन को मैनें अपने दोस्त श्रीभगवान नेहरु कॉलोनी की माड़ौदी रोड पर बनी फैक्ट्री में अमानत के तौर पर रख दिया था। मैनें मकान खरीदनें के बाद अपनी डिस्पोजल मशीन मांगीं तो उसनें मेरी मशीन देने से मना कर दिया। पुलिस ने केस दर्ज करके मामले की जांच शुरू कर दी है।

सियासत नायब सिंह सैनी भाजपा के प्रदेश कार्यालय मंगल कमल में पत्रकारों से हुए रूबरू

पीएम देश के हित में ले रहे निर्णय, 14 को प्रदेश में पहुंचेंगे, दो विकास परियोजनाओं की सौगात देंगे

- पीएम आंबेडकर जयंती पर हिसार में महाराजा अग्रसेन हवाई अड्डे से पहली उड़ान का शुभारंभ करेंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत वर्ष के हित को ध्यान में रखते हुए निर्णय लेते है, जबकि कांग्रेस पार्टी हमेशा वोट बैंक को ध्यान में रखते हुए निर्णय लेती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 14 अप्रैल को डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती के अवसर पर विकसित भारत की नींव को सुदृढ करने के लिए प्रदेश में पहुंचेंगे तथा हरियाणा वासियों को दो विकास परियोजनाओं को तोहफा देंगे। नायब सिंह सैनी भारतीय जनता पार्टी के स्थानीय प्रदेश कार्यालय मंगल कमल में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा लिए गए फैसले से मुस्लिम समाज के साथ-साथ सभी देशवासियों को लाभ होगा। केंद्र सरकार द्वारा वक्फ बोर्ड बिल पारित कर वक्फ बोर्ड में सुधार किया गया है। पीएम 14 अप्रैल को हिसार में महाराजा अग्रसेन हवाई अड्डे से पहली उड़ान का शुभारंभ करेंगे, जो अयोध्या में नवनिर्मित भव्य श्रीराम मंदिर के लिए उड़ान भरेगी। यह हवाई अड्डा शुरू होने से प्रदेश वासियों को वायु मार्ग से यातायात की महत्वपूर्ण सुविधा उपलब्ध होगी। यमुनानगर में 800 मेगावाट के बिजली संयंत्र की आधार शिला रखेंगे, जिस पर 7772 करोड़ रुपए की राशि खर्च होगी।

रोहतक। पत्रकारों से बातचीत करते मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली। फोटोः हरिभूमि

कांग्रेस पर जमकर बरसे

नायब सिंह सैनी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने लोगों में भय पैदा करने का कार्य किया है तथा वोट बैंक के दृष्टिगत वक्फ बोर्ड बिल में संशोधन किया था, जिसका नुकसान मुस्लिम समाज के साथ-साथ अन्य देशवासियों को भी हुआ है। उन्होंने कहा कि रोहतक में 1964 में शामलात भूमि के रूप में दर्ज भूमि को 1990 में वक्फ बोर्ड के नाम इस भूमि की अधिसूचना जारी हुई थी। केंद्र सरकार द्वारा देश में सुगम आवागमन के लिए सुदृढ़ सडक ढ़ांचा तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 में प्रदेश में कांग्रेस शासनकाल खत्म होने के समय पर्याप्त बिजली उपलब्ध नहीं हो रही थी तथा बिजली की दरें भी वर्तमान की दरों से ज्यादा थी। मौजूदा प्रदेश सरकार द्वारा 24 घंटे बिजली आपूर्ति की जा रही है।

भाजपा नेताओं के साथ मीटिंग की

पीएम मोदी के हरियाणा में प्रस्तावित कार्यक्रमों की तैयारियों को लेकर शनिवार को रोहतक स्थित पार्टी कार्यालय मंगल कमल में भाजपा की बैठक हुई। इस बैठक में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली, सांसद सुभाष बराला, पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु, प्रदेश महामंत्री डा. अर्चना गुप्ता, कृष्ण बेदी समेत मंत्री, विधायक, सांसद, जिला अध्यक्ष समेत तमाम पदाधिकारी शामिल हुए। बैठक में मुख्यमंत्री और प्रदेश अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रमों की तैयारियों को लेकर पदाधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा की और जरूरी दिशा निर्देश भी दिए।

90 विधानसभाओं में होंगे सम्मेलन

आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों के बारे में बोलते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि 8 और 9 अप्रैल को 377 मंडलों की कार्यकारिणी का गठन कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि 8 और 9 अप्रैल को ही सभी 90 विधानसभाओं में सक्रिय सदस्यों के सम्मेलन होंगे। हरियाणा में लगभग 45 हजार सक्रिय सदस्य हैं।

स्टॉक मार्केट में रिस्क मैनेजमेंट से निवेश को रखा जा सकता सुरक्षित

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

संभावित नुकसान को कम किया जा सकता है, रिटर्न को अधिकतम करने में मदद मिल सकती है, जोखिम प्रबंधन तकनीकों से सूचित निवेश निर्णय ले सकते हैं, बाजार के उतार-चढ़ाव के प्रभाव को कम कर सकते हैं

स्टॉक मार्केट में रिस्क मैनेजमेंट करना बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह आपके निवेश को सुरक्षित रखने में मदद करता है। स्टॉक मार्केट एक स्वाभाविक रूप से अस्थिर वातावरण है जहां मार्केट ट्रेंड, आर्थिक स्थिति, कंपनी के प्रदर्शन और भू-राजनीतिक घटनाओं जैसे विभिन्न कारकों से जोखिम उत्पन्न हो सकते हैं। इसलिए, इन्वेस्टर्स के लिए एक अच्छी तरह से परिभाषित रिस्क मैनेजमेंट स्ट्रेटेजी होना आवश्यक है जो संभावित नुकसान को कम करने और रिटर्न को अधिकतम करने में उन्हें मदद कर सकती है। जोखिम प्रबंधन तकनीकों को लागू करके, निवेशक सूचित निवेश निर्णय ले सकते हैं और अपने पोर्टफोलियो पर बाजार के उतार-चढ़ाव के प्रभाव को कम कर सकते हैं। इस संदर्भ में, इस निबंध का उद्देश्य स्टॉक मार्केट में जोखिम प्रबंधन की अवधारणा, इसके महत्व, और निवेशक जो विभिन्न रणनीतियों का प्रभावी रूप से प्रबंधन करने के लिए उपयोग कर सकते हैं।

जोखिम प्रबंधन क्या है

जोखिम प्रबंधन यानी रिस्क मैनेजमेंट किसी गतिविधि या निवेश से जुड़े जोखिमों की पहचान, मूल्यांकन और कम करने की एक व्यवस्थित प्रक्रिया है। जोखिम प्रबंधन का मुख्य उद्देश्य इसके रिटर्न को अधिकतम करते समय निवेश पोर्टफोलियो पर जोखिमों के संभावित प्रभाव को कम करना है। स्टॉक मार्केट में रिस्क मैनेजमेंट में एक कॉम्प्रिहेंसिव दृष्टिकोण शामिल है जो एक इन्वेस्टमेंट पोर्टफोलियो को प्रभावित करने वाले विभिन्न कारकों पर विचार करता है। इन कारकों में मार्केट ट्रेंड, आर्थिक स्थिति, राजनीतिक कार्यक्रम और कंपनी के प्रदर्शन शामिल हो सकते हैं। कई जोखिम प्रबंधन तकनीक हैं, जिनका उपयोग निवेशक जोखिमों को प्रभावी रूप से प्रबंधित करने के लिए कर सकते हैं। एक लोकप्रिय स्ट्रेटेजी विविधता है, जहां इन्वेस्टर अपने पोर्टफोलियो पर मार्केट के उतार-चढ़ाव के प्रभाव को कम करने के लिए विभिन्न एसेट क्लास या सिक्योरिटीज़ में अपने इन्वेस्टमेंट को फैलाते हैं. अन्य तकनीकों में हेजिंग शामिल हैं, जहां इन्वेस्टर संभावित नुकसान को ऑफसेट करने के लिए विकल्प या फ्यूचर कॉन्ट्रैक्ट जैसे फाइनेंशियल इंस्ट्रूमेंट का उपयोग करते हैं, और ऐक्टिव पोर्टफोलियो मैनेजमेंट का उपयोग करते हैं।

जोखिम प्रबंधन ऐसे करता है काम

जोखिम प्रबंधन संभावित जोखिमों की पहचान करके, उनकी संभावना और संभावित प्रभाव का आकलन करके और उन जोखिमों को कम करने या उनसे बचने के लिए रणनीतियों को लागू करके काम करता है। इसमें कई चरण शामिल होते हैं।

1. जोखिम पहचान: जोखिम प्रबंधन प्रक्रिया का पहला चरण निवेश पोर्टफोलियो को प्रभावित करने वाले संभावित जोखिमों की पहचान करना है। यह ऐतिहासिक डेटा विश्लेषण, मार्केट रिसर्च या एक्सपर्ट ओपिनियन जैसे विभिन्न तरीकों के माध्यम से किया जा सकता है।

2. जोखिम मूल्यांकन : संभावित जोखिमों की पहचान होने के बाद, उन्हें निवेश पोर्टफोलियो पर घटना और संभावित प्रभाव की संभावना के आधार पर मूल्यांकन किया जाता है। इस चरण में जोखिम की गंभीरता और इसकी घटना की संभावना का विश्लेषण शामिल है।

3. जोखिम मूल्यांकन: जोखिमों का मूल्यांकन करने के बाद, उनका मूल्यांकन उनकी प्राथमिकता और महत्व के आधार पर किया जाता है। इस चरण में यह निर्धारित करना शामिल है कि कौन से जोखिम सबसे महत्वपूर्ण हैं और तुरंत ध्यान देना आवश्यक है।

4. जोखिम उपचार: जोखिम प्रबंधन प्रक्रिया का अंतिम चरण पहचाने गए जोखिमों को कम करने या उनसे बचने के लिए रणनीतियों को लागू करना है। यह विभिन्न तकनीकों के माध्यम से किया जा सकता है, जैसे डाइवर्सिफिकेशन, हेजिंग या ऐक्टिव पोर्टफोलियो मैनेजमेंट।

जोखिम प्रबंधन के प्रकार

1. मार्केट रिस्क मैनेजमेंट : मार्केट रिस्क मार्केट की उतार-चढ़ाव के परिणामस्वरूप नुकसान होने की संभावना है, जैसे ब्याज़ दरों, मुद्रास्फीति या करेंसी एक्सचेंज दरों में परिवर्तन। इस जोखिम प्रबंधन में निवेश पोर्टफोलियो पर बाजार के उतार-चढ़ाव के प्रभाव को कम करने के लिए विविधता, हेजिंग और सक्रिय पोर्टफोलियो प्रबंधन जैसी रणनीतियों का उपयोग करना शामिल है।

2. क्रेडिट रिस्क मैनेजमेंट : क्रेडिट रिस्क का अर्थ उधारकर्ता की लोन का भुगतान करने में असमर्थता के परिणामस्वरूप नुकसान को समाप्त करने की संभावना है या अन्य फाइनेंशियल प्रतिबद्धताओं को पूरा करने की संभावना है। इस जोखिम प्रबंधन में उधारकर्ताओं की क्रेडिट योग्यता का आकलन करना और डिफॉल्ट के संभावित प्रभाव को कम करने के उपायों को लागू करना शामिल है, जैसे कोलैटरल या इंश्योरेंस।

3. ऑपरेशनल रिस्क मैनेजमेंट: इंटरनल प्रोसेस, सिस्टम या लोगों में विफलताओं के कारण होने वाले नुकसान का जोखिम ऑपरेशनल रिस्क है। इस जोखिम प्रबंधन में संचालन विफलताओं के संभावित प्रभाव को कम करने के लिए नियंत्रण और प्रक्रियाओं को लागू करना शामिल है, जैसे आकस्मिक प्लानिंग या आपदा रिकवरी।

4. लिक्विडिटी जोखिम प्रबंधन: आवश्यकता पड़ने पर एसेट को कैश में बदलने में असमर्थता के कारण नुकसान की संभावना को लिक्विडिटी जोखिम के रूप में जाना जाता है। यह जोखिम प्रबंधन पर्याप्त नकदी आरक्षित रखता है और यह गारंटी देने के लिए प्रक्रियाएं रखता है कि आवश्यकता होने पर एसेट को तेजी से नकद में बदला जा सकता है।

5. प्रतिष्ठात्मक जोखिम प्रबंधन: प्रतिष्ठात्मक जोखिम कंपनी की प्रतिष्ठा या ब्रांड के नुकसान के कारण होने वाले नुकसान का जोखिम है। प्रतिष्ठात्मक जोखिम प्रबंधन में कंपनी की प्रतिष्ठा को सुरक्षित रखने के उपायों को लागू करना शामिल है, जैसे कि सोशल मीडिया की निगरानी करना और नकारात्मक फीडबैक का जल्दी जवाब देना।

6. कानूनी और नियामक जोखिम प्रबंधन: नियमों और विनियमों को तोड़ने के परिणामस्वरूप होने वाला नुकसान कानूनी और नियामक जोखिम के रूप में जाना जाता है। संबंधित कानूनों और विनियमों के अनुपालन की गारंटी देने के लिए नियंत्रण और प्रक्रियाओं को लागू करना कानूनी और नियामक जोखिम प्रबंधन का हिस्सा है।

क्या हों रणनीतियां

1. डाइवर्सिफिकेशन: डाइवर्सिफिकेशन एक स्ट्रेटेजी है जिसमें पोर्टफोलियो पर मार्केट के उतार-चढ़ाव के प्रभाव को कम करने के लिए विभिन्न एसेट क्लास या सिक्योरिटीज़ में इन्वेस्टमेंट को फैलाना शामिल है। विभिन्न सेक्टरों, भौगोलिक क्षेत्रों और मार्केट कैपिटलाइज़ेशन में स्टॉक की रेंज में इन्वेस्ट करके, इन्वेस्टर पोर्टफोलियो पर किसी भी एक स्टॉक या सेक्टर के प्रभाव को कम कर सकते हैं।

2. स्टॉप-लॉस ऑर्डर: स्टॉप-लॉस ऑर्डर अगर यह एक निश्चित प्राइस पॉइंट तक पहुंचता है, तो स्टॉक बेचने का ऑर्डर है। यह रणनीति उस स्थिति में संभावित नुकसान को सीमित करने के लिए इस्तेमाल की जाती है जिसमें स्टॉक की कीमत पूर्वनिर्धारित सीमा से कम होती है।

3. हेजिंग: हेजिंग में संभावित नुकसान को ऑफसेट करने के लिए विकल्प या फ्यूचर कॉन्ट्रैक्ट जैसे फाइनेंशियल इंस्ट्रूमेंट का उपयोग करना शामिल है। उदाहरण के लिए, अगर स्टॉक की कीमत कम हो जाती है, तो इन्वेस्टर संभावित नुकसान से सुरक्षा के लिए स्टॉक पर विकल्प खरीद सकता है।

4. ऐक्टिव पोर्टफोलियो मैनेजमेंट: मार्केट परिस्थितियों को शिफ्ट करने के लिए निरंतर आधार पर पोर्टफोलियो की निगरानी और बदलना को ऐक्टिव पोर्टफोलियो मैनेजमेंट के रूप में जाना जाता है। बुद्धिमानी से निवेश चयन करने के लिए, इस तकनीक के लिए मार्केट ट्रेंड, कॉर्पोरेट परफॉर्मेंस और आर्थिक डेटा का आकलन करना आवश्यक है।

5. डॉलर-लागत औसत: डॉलर-लागत औसत एक तरीका है, जिसमें मार्केट की स्थितियों के बावजूद कंपनी में नियमित अवधि में निरंतर राशि निवेश की जाती है। यह तकनीक निवेशकों को कीमतें कम होने पर अधिक स्टॉक खरीदकर मार्केट की अस्थिरता से लाभ प्राप्त करने में सक्षम बनाती है और जब कीमतें अधिक होती हैं तो कम शेयर होते हैं।

6. फंडामेंटल एनालिसिस: फंडामेंटल एनालिसिस, अपने फाइनेंशियल स्टेटमेंट, इंडस्ट्री ट्रेंड और अन्य संबंधित डेटा का मूल्यांकन करके कंपनी के अंतर्निहित मूल्य को निर्धारित करने का एक तरीका है। यह विधि उन स्टॉक को खोजने के लिए डिज़ाइन की गई है, जो सस्ते हैं और संभावित वृद्धि की संभावनाएं हैं।

बुलियन मार्केट बूम-बूम : क्या यह गोल्ड फंड में निवेश का सही समय

सुझाव
बिजनेस डेस्क

सोना यानी गोल्ड के प्रति निवेशकों का आकर्षण लंबे समय से बना हुआ है, खासकर तो ग्लोबल स्तर पर अनिश्चितता के समय में यह और बढ़ जाता है। सोने की एमसीएक्स पर कीमत 91,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के पार पहुंच गई है। सिर्फ इस साल यानी 2025 की बात करें तो इसकी कीमतों में 18 फीसदी की बढ़ोतरी आ चुकी है, जबकि साल 2024 में सोना 27 फीसदी मजबूत हुआ था। इंटरनेशनल स्तर पर, सोना 3,000 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस की महत्वपूर्ण रेंज को पार कर गया है, वहीं कुछ ब्रोकरेज हाउस ने आगे और मजबूती की संभावना जताई है। अब यह सवाल उठता है कि क्या निवेशकों को गोल्ड ईटीएफ और म्यूचुअल फंड में निवेश करना चाहिए, या यह

सोने में रैली जारी रहने की उम्मीद

बुलियन मार्केट के जानकारों का कहना है कि सोने में पिछले 15 महीने की प्रभावशाली रैली यह सोचने पर मजबूत करती है कि इत तरह की तेजी किन वजहों से आई है। यह वर्तमान में दुनिया भर में जियो-पॉलिटिकल और आर्थिक अनिश्चितताओं द्वारा संचालित टॉप प्रदर्शन करने वाला एसेट क्लास है। सोने की सेफ हैवन वाली स्थिति और मजबूत होती है, क्योंकि विशेष रूप से टैरिफ को लेकर अमेरिकी पॉलिसी, वैश्विक अस्थिरता को बढ़ाती हैं। एक प्रमुख फैक्टर केंद्रीय बैंकों द्वारा रिकॉर्ड तोड़ सोना खरीदना भी है, जिसका उद्देश्य रिजर्व में विविधता लाना और अमेरिकी डॉलर जैसी सिंगल-करेंसी एसेट्स पर निर्भरता कम करना है। यह ट्रेंड जारी रहने की उम्मीद है, जिससे निकट भविष्य से लेकर लॉन्ग टर्म में सोने की कीमतों में तेजी बनी रहेगी। जियो-पॉलिटिकल टेंशन और केंद्रीय बैंकों द्वारा अमेरिकी ट्रेजरी से दूर जाने का यह संयोजन सोने की कीमतों में तेजी के पीछे प्रमुख फैक्टर हैं। भारत में, विशेष रूप से वेडिंग सीजन के दौरान ज्वैलरी की पारंपरिक मांग, सोने की कीमतों में उछाल को बढ़ाती है। हाल ही में अमेरिकी सरकार की टैरिफ पॉलिसी ने सुरक्षित माने जाने वाले एसेट्स का आकर्षण बढ़ा दिया है। पॉलिसी को लेकर अनिश्चितता, वैश्विक संघर्ष, केंद्रीय बैंकों द्वारा सोने की खरीद और भारत व चीन में रिटेल इंटरेस्ट से प्रेरित सोने की मांग में यह स्ट्रक्चरल शिफ्ट आगे जारी रह सकता है। इसलिए सोने में निवेश किया जा सकता है।

गोल्ड फंड में निवेश

लॉन्ग टर्म निवेशकों के लिए, सोने से संबंधित एसेट्स हमेशा एक व्यवहारिक विकल्प होते हैं। शॉर्ट टर्म की प्राइस वोलेटिलिटी को कम करने के लिए सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) की सलाह है। इंडेक्स फंड, एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) और फंड ऑफ फंड सहित गोल्ड फंड, व्यापक आर्थिक अनिश्चितता के दौरान पोर्टफोलियो को स्थिरता प्रदान कर सकते हैं और महंगाई के खिलाफ सुरक्षा दे सकते हैं।

सोने में कमा लिया मुनाफा तो क्या करें

निवेशक अपने रिस्क लेने की क्षमता, निवेश की अवधि और वित्तीय लक्ष्य के अनुरूप एक डाइवर्सिफाइड पोर्टफोलियो बनाए रख सकते हैं। एलाइनमेंट सुनिश्चित करने के लिए समय-समय पर पोर्टफोलियो समीक्षा जरूरी है। फाइनेंशियल प्लानर लॉन्ग टर्म एसेट एलोकेशन पर टिके रहने की सलाह दे रहे हैं। अगर आवश्यक हो, तो फाइनेंशियल एडवाइजर के गाइडेंस में रीबैलेंसिंग किया जा सकता है। सोने को आम तौर पर एक लॉन्ग टर्म एसेट क्लास माना जाता है और उसी के अनुसार स्ट्रेटेजी अपनाई जानी चाहिए।

लंबे समय के लिए करें निवेश

- वैश्विक अनिश्चितता और केंद्रीय बैंक की खरीद के कारण सोने की कीमतें बढ़ी।
- लॉन्ग टर्म निवेशक सोने की स्थिरता और महंगाई के खिलाफ हेजिंग से लाभ उठा सकते हैं।
- एसआईपी सोने की कीमत में उतार-चढ़ाव को मैनेज करने के लिए आदर्श विकल्प है।
- एक डाइवर्सिफाइड पोर्टफोलियो बनाए रखें और रीबैलेंसिंग के लिए फाइनेंशियल एडवाइजर से परामर्श करें।
- सोना एक लॉन्ग टर्म इन्वेस्टमेंट एसेट है।

गोल्ड के प्रति निवेशकों का आकर्षण लंबे समय से बना है, ग्लोबल स्तर पर अनिश्चितता के समय में और बढ़ जाता है, सोने की एमसीएक्स पर दाम 91,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के पार हैं।

बुलियन मार्केट में निवेश करने के चरण

चरण 1 : समझें बुलियन मार्केट

1. **बुलियन क्या है?** : बुलियन सोना, चांदी, प्लेटिनम, और पैलेडियम जैसे कीमती धातुओं को कहते हैं।
2. बुलियन मार्केट कैसे काम करता है? : बुलियन मार्केट में इन धातुओं का कारोबार होता है, जहां निवेशक इन्हें खरीदते और बेचते हैं।

चरण 2: निवेश के विकल्प चुनें

1. **फिजिकल बुलियन** : सोना, चांदी, प्लेटिनम, और पैलेडियम जैसे कीमती धातुओं को फिजिकल रूप में खरीदना।
2. **गोल्ड एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड्स (जीईटीएफ)** : गोल्ड जीईटीएफ में निवेश करना, जो सोने की कीमत के अनुसार चलता है।
3. **बुलियन ईटीएफ** : अन्य कीमती धातुओं जैसे चांदी, प्लेटिनम, और पैलेडियम के ईटीएफ में निवेश करना।
4. **बुलियन म्यूचुअल फंड्स** : बुलियन म्यूचुअल फंड्स में निवेश करना, जो कीमती धातुओं में निवेश करते हैं।
5. **ऑनलाइन बुलियन प्लेटफ़ॉर्म** : ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म जैसे कि बुलियनबाज़ार, पेटीएम गोल्ड, आदि पर निवेश करना।

चरण 3: निवेश करने से पहले ध्यान रखें

1. **जोखिम समझें** : बुलियन मार्केट में जोखिम होता है, इसलिए निवेश करने से पहले जोखिम को समझें।
2. निवेश के लक्ष्य तय करें : अपने निवेश के लक्ष्य तय करें, जैसे कि लंबी अवधि के लिए निवेश करना या अल्पावधि में लाभ कमाना।
3. **निवेश की राशि तय करें** : अपने निवेश की राशि तय करें, जो आपके लक्ष्यों और जोखिम सहनशीलता के अनुसार हो।
4. **निवेश के लिए समय तय करें** : अपने निवेश के लिए समय तय करें, जो आपके लक्ष्यों और जोखिम सहनशीलता के अनुसार हो।

चरण 4: निवेश करें

1. **निवेश के लिए खाता खोलें** : निवेश के लिए एक खाता खोलें, जो आपके निवेश के लक्ष्यों और जोखिम सहनशीलता के अनुसार हो।
2. **निवेश करें** : अपने निवेश के लक्ष्यों और जोखिम सहनशीलता के अनुसार निवेश करें।
3. **निवेश की निगरानी करें** : अपने निवेश की निगरानी करें और आवश्यकतानुसार समायोजन करें। इस सोने में निवेश को सही समय हो सकता है। आने वाले दिनों में इसमें और बढ़ोतरी देखने को मिलेगी।

छोटे-छोटे निवेश भी बना सकते हैं करोड़पति!

बिजनेस डेस्क

- 2000, 5000 और 10000 के मंथली निवेश करें
- लंबी अवधि का लक्ष्य लेकर चलें, पीछे मुड़कर न देखें

तेजी से बढ़ती महंगाई और भविष्य के अनिश्चितताओं को देखते हुए हर कोई बड़ा फंड इकट्ठा करना चाहता है। अगर आप भी अपने भविष्य के लिए एक बड़ा फाइनेंशियल गोल तय करना चाहते हैं तो सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान यानी एसआईपी एक बेहतरीन तरीका हो सकता है। सिर्फ सुझावों के भरोसे न रहें। खुद शेयरों का मूल्यांकन करना सीखें। एसआईपी के जरिए नियमित रूप से छोटा-छोटा अमाउंट निवेश करके आप एक दिन करोड़पति बन सकते हैं। सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान की खूबी यह है कि आप छोटा-छोटा अमाउंट का इन्वेस्टमेंट करके बड़ा फंड इकट्ठा कर सकते हैं। इस रिपोर्ट में हम आपकों बताएंगे कि आप आप 2,000 रुपये, 5,000 रुपये और 10,000 रुपये की एसआईपी करते हैं और उसे हर साल 10% बढ़ाते हैं, तो 1 करोड़ रुपये का फंड तैयार करने में कितना समय लगेगा। इस कैलकुलेशन के लिए हम मानते हैं कि आपके निवेश पर सालाना आधार पर 12% का रिटर्न मिलेगा, जो लंबे समय के निवेश में लॉर्ज कैप म्यूचुअल फंड के जरिए भी हासिल किया जा सकता है।

2,000 रुपये की एसआईपी (हर साल 10% बढ़ोतरी के साथ) : यदि आप 2,000 रुपये की एसआईपी शुरू करते हैं और हर साल इसे 10% बढ़ाते हैं और उसपर 12% का सालाना रिटर्न मिलता है तो आपके पास 27 साल में 1.05 करोड़ रुपये का फंड हो जाएगा।

- टोटल इन्वेस्टमेंट अमाउंट : 29,06,399 रुपये
- एस्टीमेट रिटर्न : 75,81,135 रुपये
- टोटल वैल्यू : 1,04,87,533 रुपये

5,000 रुपये की एसआईपी (हर साल 10% बढ़ोतरी के साथ) : यदि आप 5,000 रुपये की एसआईपी शुरू करते हैं और हर साल इसे 10% बढ़ाते हैं और उसपर 12% का सालाना रिटर्न मिलता है तो आपके पास 21 साल में 1.08 करोड़ रुपये का फंड हो जाएगा।

- टोटल इन्वेस्टमेंट अमाउंट : 38,40,150 रुपये
- एस्टीमेट रिटर्न : 70,22,858 रुपये
- टोटल वैल्यू : 1,08,63,008 रुपये

10,000 रुपये की एसआईपी (हर साल 10% बढ़ोतरी के साथ) : यदि आप 10,000 रुपये की एसआईपी शुरू करते हैं और हर साल इसे 10% बढ़ाते हैं और उसपर 12% का सालाना रिटर्न मिलता है तो आपके पास 17 साल में 1.16 करोड़ रुपयेका फंड हो जाएगा।

- टोटल इन्वेस्टमेंट अमाउंट : 48,65,364 रुपये
- एस्टीमेट रिटर्न : 66,98,342 रुपये
- टोटल वैल्यू : 1,15,63,706 रुपये

गिरावट के दौरान बंद न करें एसआईपी

जब बाजार में गिरावट आती है तो कई निवेशक घबरा जाते हैं और एसआईपी बंद कर देते हैं। लेकिन वह एसआईपी जारी रखने का समय होता है, क्योंकि जब बाजार गिरता है तो कम कीमत में म्यूचुअल फंड की ज्यादा यूनिट मिलती है। लंबे समय में शेयर मार्केट हमेशा ऊपर जाता है, इसलिए गिरावट का लाभ उठाना चाहिए।

क्या है एसआईपी

एसआईपी यानी सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान, म्यूचुअल फ़ंड में निवेश करने का एक तरीका है। इसमें, निवेशक एक निश्चित राशि को पहले से तय समय पर निवेश करता है. यह निवेश साप्ताहिक, मासिक, तिमाही, अर्ध-वार्षिक, या वार्षिक आधार पर किया जा सकता है।

एसआईपी के फ़ायदे

- बाजार की अस्थिरता से बचने में मदद मिलती है।
- निवेशकों को नियमित रूप से बचत की आदत लगती है।
- कंपाउंडिंग व औसत लागत की शक्ति का लाभ मिलेगा।
- निवेशकों को अपने वित्तीय लक्ष्यों को हासिल करने में मदद मिलती है।
- निवेशकों को समयबद्ध तरीके से निवेश करने में मदद मिलती है।

हेल्थ इंश्योरेंस में सम इंश्योर्ड की अहम भूमिका

जानकारी
बिजनेस डेस्क

भास्कर नेरुरकर

अपने सम इंश्योर्ड को निर्धारित करना महत्त्वपूर्ण

यह आपको बताता है कि एमरजेंसी के समय आपके पास कितना कवरेज होगा

इंश्योरेंस में जानने लायक सबसे महत्त्वपूर्ण शब्द है सम इंश्योर्ड, हेल्थ इंश्योरेंस के संदर्भ में यह सबसे खास है. यह एक पॉलिसी वर्ष में आपके मेडिकल खर्चों के लिए आपकी इंश्योरेंस कंपनी द्वारा भुगतान की जाने वाली अधिकतम राशि को दर्शाता है। अपने सम इंश्योर्ड को निर्धारित करना महत्त्वपूर्ण है क्योंकि इससे आपको पता चलता है कि कोई बीमारी या एमरजेंसी का सामना होने पर आपके पास कितना कवरेज होगा। हेल्थकेयर की लागत बढ़ रही है, ऐसे में सही सम इंश्योर्ड होने से आप मेडिकल ट्रीटमेंट पर आने वाले अधिक बिल से बच सकते हैं। हममें से बहुत से लोगों को सही कवरेज चुनना काफी मुश्किल लगता है। बुनियादी बातों को समझकर, आप अपने हेल्थ इंश्योरेंस कवरेज के बारे में स्मार्ट निर्णय ले सकते हैं। इससे सुनिश्चित होता है कि आपके पास मेडिकल खर्चों को प्रभावी ढंग से संभालने के लिए पर्याप्त फाइनेंशियल सहायता होगी। इसलिए, सही सम इंश्योर्ड होने का मतलब है अपने अप्रत्याशित हेल्थकेयर खर्चों के बारे में अधिक चिंता से मुक्ति।

अब आइए सम इंश्योर्ड के महत्त्व को समझते हैं

1. पर्याप्त हेल्थकेयर कवरेज लें

अपने हेल्थ इंश्योरेंस के लिए सही सम इंश्योर्ड चुनना महत्वपूर्ण है। अगर आप बहुत कम सम इंश्योर्ड चुनते हैं, तो आपको मेडिकल बिल के लिए अतिरिक्त भुगतान करना पड़ सकता है और अगर आप इसे बहुत अधिक पर सेट करते हैं तो आपको जरूरी से अधिक प्रीमियम का भुगतान करना पड़ सकता है। सबसे अच्छा तो यह होगा कि आप ऐसा सम इंश्योर्ड चुनें, जो आपकी जरूरतों को प्रभावी रूप से कवर भी करे और बहुत अधिक महंगा भी न हो। इस तरह, आप बहुत अधिक प्रीमियम का भुगतान करने से बचते हुए यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि आपके पास अपने स्वास्थ्य खर्चों के लिए पर्याप्त सुरक्षा हो. सही संतुलन की तलाश करने से आपको फाइनेंशियल रूप से सुरक्षित रहने और किसी भी अप्रत्याशित मेडिकल खर्च या बीमारियों के लिए तैयार रहने में मदद मिलेगी। इससे आप बेफिक्र रहेंगे।

2. मन की शांति

सही सम इंश्योर्ड होने से आपको मन की शांति मिलती है। आप मेडिकल बिलों की चिंता किए बिना बेहतर होने पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। पर्याप्त कवरेज के साथ, आप लागत के बारे में सोचे बिना सर्वश्रेष्ठ हेल्थकेयर चुन सकते हैं। यानी, यह जानते हुए अपनी रिकवरी पर ध्यान केन्द्रित कर सकते हैं कि आप अप्रत्याशित खर्चों से सुरक्षित हैं। इससे आपको सुरक्षित महसूस करने में मदद मिलती है और आप इलाज के लिए भुगतान करने के तनाव के बिना तेज़ी से ठीक हो पाते हैं।

3. गंभीर बीमारियों के लिए कवरेज

गंभीर रोगों का सामना करते समय, इलाज का खर्च बहुत अधिक हो सकता है। कैंसर या हृदय रोग जैसी बीमारियों के लिए अक्सर महंगे उपचारों और हॉस्पिटल में लंबे समय तक रहने की आवश्यकता होती है। इसलिए अधिक सम इंश्योर्ड होना महत्वपूर्ण है। यह सुनिश्चित करता है कि आपके पास इन अप्रत्याशित मेडिकल खर्चों के लिए पर्याप्त कवरेज हो। पर्याप्त इंश्योरेंस के साथ, आप इलाज के लिए भुगतान करने की चिंता करने के बजाय बेहतर होने पर ध्यान केंद्रित कर पाते हैं।

4. फैमिली कवरेज

फैमिली हेल्थ प्लान चुनते समय, ऐसी कवरेज राशि चुनना महत्वपूर्ण है, जो हर किसी की स्वास्थ्य आवश्यकताओं को पूरा कर सके। अगर आपके परिवार में छोटे बच्चे और वृद्ध माता-पिता हैं, तो उन्हें अलग-अलग तरह की मेडिकल केयर की आवश्यकता पड़ सकती है। हर कोई सुरक्षित हो यह सुनिश्चित करने के लिए, हमेशा परिवार के प्रत्येक सदस्य की आयु, स्वास्थ्य स्थितियों और मेडिकल हिस्ट्री पर विचार करें। इस तरह, आप यह आत्मविश्वास महसूस कर सकते हैं कि आपके परिवार को उस समय सर्वश्रेष्ठ मेडिकल केयर मिलेगी, जब उन्हें इसकी सबसे ज्यादा जरूरत होगी।

5. टैक्स लाभ

उच्च मेडिकल खर्चों से आपको सुरक्षित रखने के लिए हेल्थ इंश्योरेंस महत्वपूर्ण है, और यह टैक्स लाभ के साथ आता है जिससे आपको पैसे बचाने में मदद मिल सकती है। इनकम टैक्स एक्ट के सेक्शन 80डी के तहत, आप अपने हेल्थ इंश्योरेंस पर भुगतान किए गए प्रीमियम के लिए कटौती का क्लेम कर सकते हैं. सही सम इंश्योर्ड चुनना महत्वपूर्ण है. उदाहरण के लिए, अगर आपके पास रु. 5 लाख के सम इंश्योर्ड की पॉलिसी है और आप रु. 15,000, का प्रीमियम देते हैं, तो आप इस राशि को अपनी टैक्स योग्य आय से घटा सकते हैं, जिससे आपके द्वारा देय कुल टैक्स कम हो जाता है। अगर आप अपने माता-पिता के हेल्थ इंश्योरेंस के लिए भी भुगतान कर रहे हैं, तो आप अतिरिक्त कटौती का क्लेम कर सकते हैं, जिससे आपको अधिक पैसे बचाने में मदद मिलती है. इस तरह, आप समझदारी भरा फाइनेंशियल निर्णय लेने के साथ ही अपने हेल्थकेयर और इनसे जुड़े खर्चों को सुरक्षित करते हैं। अपने हेल्थ इंश्योरेंस के लिए सही सम इंश्योर्ड चुनना महत्वपूर्ण है। यह सुनिश्चित करता है कि सबसे अधिक आवश्यकता होने पर आपको फाइनेंशियल सुरक्षा और क्वालिटी हेल्थकेयर तक एक्सेस मिले. सूचित विकल्प चुनकर, आप खुद को और अपने परिवार को अप्रत्याशित मेडिकल खर्चों और जीवन की अनिश्चितताओं से सुरक्षित करते हैं। सही सम इंश्योर्ड के साथ, आप लागत की चिंता किए बिना अपनी रिकवरी पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। आखिर में, यह मन की शांति, कॉम्प्रिहेंसिव कवरेज और फाइनेंशियल स्थिरता प्रदान करता है।

(लेखक हेल्थ एडमिनिस्ट्रेशन टीम, बजाज आलियांज़ जनरल इंश्योरेंस के हेड हैं।)

खबर संक्षेप

अर्पण मानसिक दिव्यांग बाल संस्था में बैठक

रोहतक। अर्पण मानसिक दिव्या बाल संस्था में इस वर्ष की पहली अभिभावक सभा आयोजित की गई। जिसमें अभिभावकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई। संस्था में स्कूल इंचार्ज नीलम कटारिया ने सभी अभिभावकों का अभिनंदन किया। समाज कल्याण अधिकारी महाबीर गोदारा ने भी अभिभावकों को सरकार द्वारा दी जा रही सुविधाओं के बारे में जानकारी दी। इस दौरान नॉर्थ क्रिकेट टूर्नामेंट टीम के 12 छात्रों को सर्टिफिकेट व पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

मदवि में हुआ एनीमिया पर व्याख्यान कार्यक्रम

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के कस्तूरबा गांधी कन्या छात्रावास परिसर में विश्व स्वास्थ्य दिवस कार्यक्रम की थीम-एनीमिया मुक्त, पोषण युक्त परिसर अभियान के तहत विशेष व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित किए गए। चीफ वार्डन गर्ल्स प्रो. सपना गर्ग ने बताया कि विभिन्न गर्ल्स हास्टलों में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन, रोहतक की अध्यक्षा डॉ. आरती साहू की अगुवाई में विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने छात्राओं को एनीमिया बारे जागरूक किया और स्वस्थ आहार लेने एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया।

परिचय सम्मेलन को लेकर तैयारियां पूरी

रोहतक। शहर के नूर गार्डन में रविवार को सोनी समाज के होने वाले राष्ट्रीय वैवाहिक परिचय सम्मेलन एवं समाज उत्थान संगोष्ठी कार्यक्रम की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। महाराजा अजमीढ़ सुनार जन सेवा संस्थान के तत्वावधान में एवं संस्थान संस्थापक वैद्य सत्यप्रकाश आर्य के सानिध्य में इस राष्ट्रीय सम्मेलन एवं कार्यक्रम की तैयारियां पूर्ण हो गई हैं।

दो दिवसीय छठे पीजी टीचिंग कोर्स का आयोजन किया गया

किसी भी मरीज की बीमारी को हल्के में न लें पीजी के छात्र : डॉ. रूप सिंह

कुलपति ने इस कोर्स के आयोजन के लिए डॉ. रूपसिंह व उनकी टीम को बधाई दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक। कार्यक्रम का शुभारंभ करते मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित कुलपति डॉ. एचके. अग्रवाल, निदेशक डॉ.एस के सिंघल, डीन डॉ. कुलदीप लालर, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. कुंदन मित्तल, हड्डी रोग विभागाध्यक्ष डॉ. रूप सिंह व डॉ. आशीष देवगन। *फोटो : हरिभूमि*

पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के हड्डी रोग विभाग द्वारा शनिवार को लेक्चर थियेटर वन में दो दिवसीय छठे पीजी टीचिंग कोर्स का आयोजन किया गया। कोर्स का शुभारंभ मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित कुलपति डॉ. एचके. अग्रवाल, निदेशक डॉ.एस के सिंघल, डीन डॉ. कुलदीप लालर, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. कुंदन मित्तल, हड्डी रोग विभागाध्यक्ष डॉ. रूप सिंह, डॉ. आशीष देवगन ने दीप प्रज्वलित करके किया। मंच का संचालन प्रोफेसर डॉ. उमेश यादव ने किया। चिकित्सकों को संबोधित करते हुए कुलपति डॉ. एचके अग्रवाल ने कहा कि इस कोर्स के आयोजन के लिए वें डॉ. रूपसिंह व उनकी टीम को बधाई देते हैं। इस प्रकार के कोर्स में केस डिस्कशन, एक्सरे जांच व वार्ड राउंड आदि होते हैं, इससे सीनियर व जूनियर रेजिडेंट्स को बहुत ज्यादा फायदा मिलता है और उनका ज्ञानवर्धन होता है। डॉ. अग्रवाल ने कहा कि हड्डी रोग विभाग को मरीजों के हित में जिस चीज की जरूरत होगी, संस्थान उन्हें प्राथमिकता पर उपलब्ध करवाएगा। डॉ. आशीष देवगन ने कहा कि यह कोर्स पूरे देश में सिर्फ गिने चुने सेंटर पर ही होता है। यह आसपास के प्रदेश के पीजी छात्रों के लिए आयोजित किया जाता है, जिसमें वे अपना केस लाइव प्रस्तुत करते हैं और बाहर से आई फैकल्टी फिर उस केस पर चर्चा करती है जोकि पीजी छात्र के लिए सर्वश्रेष्ठ ट्रेनिंग का कार्य करती है। डॉ. आशीष देवगन ने कहा कि इस कोर्स में चिकित्सक को सिखाया जाएगा कि मरीज से कैसे बातचीत की जाए। डॉ. रूप सिंह के प्रयास से आज 8 सालों बाद फिर से यह कोर्स शुरू हो पाया है। पीआरओ डॉ. उमेश यादव ने कहा कि किताबों में चाहे कितना भी ज्ञान क्यों ना हो, हर मरीज अपने आप में एक किताब होता है। आज यहां 100 से ज्यादा प्रतिभागी इस कोर्स में हिस्सा ले रहे हैं और 40 फैकल्टी इन दो दिनों में व्याख्यान देने आएंगी। डॉ कृष्णा ने बताया कि बाहर से कल भी कई फैकल्टी सदस्य व्याख्यान देने के लिए इस कोर्स में आएंगे। इस अवसर पर डीन एकेडमिक अफेयर्स डॉ. ध्रुव चौधरी, डॉ. राजेश रोहिल्ला, डॉ. प्रदीप कंबोज, डॉ. राज, डॉ. मोहित, डॉ. अजय, डॉ. हेमंत मोर, डॉ. जितेंद्र, डॉ. साहिल, डॉ. वीरेंद्र , डॉ ध्रुव , डॉ गौतम, डॉ राहुल , डॉ मनमीत सहित हड्डी रोग विभाग के सभी चिकित्सक उपस्थित थे।

विभाग नई ऊंचाइयों को छुएगा

निदेशक डॉ. एसके सिंघल ने कहा कि यह एक बहुत अच्छा प्रयास है। संस्थान का हड्डी रोग विभाग हमेशा से ही प्रगतिशील विभाग रहा है और खुद को नवीनतम तकनीक से अपडेट रखता है। उन्हें पूरी उम्मीद है कि आने वाले समय में भी डॉ. रूप सिंह के नेतृत्व में विभाग नई ऊंचाइयों को छुएगा। डॉ सिंघल ने कहा कि यह संस्थान के लिए बड़े ही गर्व का विषय है कि यहां उनके पास ऐसे विशेषज्ञ मौजूद है।

यहां बहुत कुछ सीखने को मिलेगा

विभागाध्यक्ष डॉ. रूप सिंह ने कहा कि उन्हें पूरी उम्मीद है कि 5 और 6 अप्रैल को चलने वाले इस कोर्स में पीजी को बहुत कुछ सीखने को मिलेगा जो उन्हें ताउम्र काम आएगा। यह कोर्स वर्ष 2013 में शुरू हुआ था। डॉ. रूप सिंह ने बताया कि इस कोर्स में देश के विख्यात हड्डी रोग विशेषज्ञ बुलाए गए हैं ताकि वें पीजी छात्रों को अपना सर्वश्रेष्ठ ज्ञान प्रदान कर उनका मार्गदर्शन कर सकें। उन्होंने कहा कि इस कोर्स से मरीजों को भी फायदा होता है। डॉ. रूपसिंह ने कहा कि हमें किसी भी मरीज की बीमारी को हल्के में नहीं लेना चाहिए, मरीज की सभी जांच करवाएं ताकि बीमारी की जड़ को पकड़ा जा सके और उसकी पूरी हिस्ट्री लेकर अपनी जांच के आधार पर सही इलाज का चयन करें।

रोहतक। हाथों पर काले बिल्ले बांधकर रोष जताते हुए रेजीडेंट डाक्टर्स।

काले बिल्ले बांधकर शांतिपूर्ण ढंग से दी ड्यूटी

रोहतक। पीजीआई के रेजिडेंट डॉक्टर्स ने डेंटल डॉक्टर के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर शनिवार को हाथों पर काले बिल्ले बांधकर विरोध जताया और शांतिपूर्ण ढंग से ड्यूटी दी। डॉक्टरों ने किसी तरह का कोई प्रदर्शन नहीं किया। रेजीडेंट डॉक्टर ने रोष प्रकट किया है। ताकि जल्द से जल्द उनकी मांग पूरी हो सकें। बता दें कि यूडीएफ संगठन ने उत्पीड़न मामले में कार्रवाई को लेकर मुख्यमंत्री से अपनी मांग रखी थी। ताकि जल्द से जल्द इस पर कार्रवाई हो सकें। पीड़ित पक्ष का कहना है कि उन्हें शारीरिक और मानसिक रूप से लंबे समय तक प्रताड़ित किया गया। आरोपी डॉक्टर उनके साथ दुर्व्यवहार करते हैं और धमकी भरे शब्द बोलते हैं। आरोप लगाया गया कि एक पीजी छात्र के साथ कुर्सी से हमला कर दिया। इसके बाद से ही रेजिडेंट डॉक्टर रोष जता रहे हैं।

अंतरराष्ट्रीय संत बौद्धिक मंच के जिलाध्यक्ष बने ब्राह्मणवास के महंत संजय शर्मा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

अंतरराष्ट्रीय संत बौद्धिक मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष सूरज ब्रम्हे द्वारा नरेंद्र मोदी विचार मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष मास्टर रवि चाणक्य की सहमति से महंत संजय को रोहतक जिले का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति पर रोहतक वासियों ने बधाई दी। महंत संजय पहले भी जिले में सामाजिक कार्यों में बढ़ चढ़कर सहयोग रहे हैं। अखिल भारतीय गौशाला पहरावर में भी तन मन धन से सहयोग कर रहे हैं। रोहतक के साथ-साथ प्रदेश में महंत द्वारा बौद्धिकता विकास के कार्यक्रम किया जा चुके हैं। संजय महंत ने कहा कि जिस देश के नागरिकों का बौद्धिक विकास होता है वही देश मजबूत और विकसित बनता है, इसलिए युवाओं को बौद्धिक तौर पर मजबूत बनाने के लिए उनके द्वारा समय समय पर कार्यक्रम किए जाएंगे। इनके साथ पंडित बिजेंद्र ब्रह्मचारी और अन्य धार्मिक संस्थाओं के लोग जुड़े हुए हैं।

एचडीपीएस बहुअकबरपुर में अंतरराष्ट्रीय शिक्षकों का हुआ आदान-प्रदान कार्यक्रम

■ राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लक्ष्यों को साकार करने के लिए नई पहल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

एनईपी 2020 के साथ संरेखण

1. बहुभाषावाद और सांस्कृतिक आदान-प्रदान।
2. डिजिटल साक्षरता और 21वीं सदी के कौशल।
3. फिटनेस और समग्र विकास।
4. अनुभवात्मक और बहु-विषयक शिक्षा।

बेल्जियम और फ्रांस के शिक्षकों के साथ यह पहल बहुभाषावाद, डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देगी

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के लक्ष्यों को साकार करने के उद्देश्य से अप्रैल के दूसरे सप्ताह में एचडीपीएस बहुअकबरपुर अंतरराष्ट्रीय शिक्षकों के आदान-प्रदान कार्यक्रम की मेजबानी करेगा। बेल्जियम और फ्रांस के शिक्षकों के साथ यह पहल बहुभाषावाद, डिजिटल साक्षरता, समग्र विकास और वैश्विक दृष्टिकोण को बढ़ावा देगी। यह कार्यक्रम छात्रों को भाषाई, डिजिटल और सामाजिक कौशल विकसित करने में मदद करेगा, जिससे उनके बेहतरीन भविष्य का मार्ग प्रशस्त होगा और शिक्षकों के पेशेवर विकास में मील का पत्थर साबित होगा। यह जानकारी स्कूल शैक्षिक निदेशक कृष्णा बल्हारा फौगाट ने दी। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम की विशेषताएं बहुभाषी शिक्षा (अंग्रेजी, डच, फ्रेंच), आईसीटी कार्यशालाएं (कोडिंग, डिजिटल टूल्स, इंटरनेट सुरक्षा), शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य (जुम्बा, माइंडफुलनेस, वेलनेस सत्र), वैश्विक दृष्टिकोण और सांस्कृतिक समझ आदि रहेंगी। वहीं, लौरा एशलीमैन, विंस वान ईसबेक (बेल्जियम) अंग्रेजी और डच शिक्षक, नोएमी पाटे, मैरीयन पाटे (फ्रांस)–फ्रेंच शिक्षक, इरिना मालफाइट (बेल्जियम)-आईसीटी और जुम्बा प्रशिक्षक मार्गदर्शन करेंगे।

भारतीय ग्रंथों में निहित ज्ञान केवल धार्मिक नहीं बल्कि वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी अद्वितीय है : कुलपति

■ बाबा मस्तनाथ विवि में भारतीय ज्ञान परंपरा पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन संपन्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक। बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में श्रेष्ठ शोध पत्रों के शोधकर्ताओं को सम्मानित करते हुए कुलपति प्रो. एच.एल. वर्मा।

बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में भारतीय ज्ञान प्रणालीः गौरवशाली अतीत से उज्ज्वल भविष्य तक विषय पर आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस महत्वपूर्ण सम्मेलन का आयोजन बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय, महाराजा अग्रसेन विश्वविद्यालय (हिमाचल प्रदेश) और आईके गुजराल पंजाब तकनीकी विश्वविद्यालय (पंजाब) के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य भारतीय ज्ञान परंपरा को पुनर्जीवित कर इसे वैश्विक स्तर पर प्रभावी रूप से प्रस्तुत करना। सम्मेलन के दूसरे दिन विभिन्न शोध पत्र वाचन, पैनल चर्चाएं एवं विद्वानों के संवाद आयोजित किए गए। इसमें विशेषज्ञों एवं शोधकर्ताओं ने भारतीय ज्ञान प्रणाली के विविध आयामों पर अपने विचार प्रस्तुत किए। इस संगोष्ठी की सफलता में महंत बालकनाथ योगी एवं डॉ. नंद किशोर गर्ग का विशेष मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। उनके प्रेरणादायक विचारों और भारतीय ज्ञान परंपरा के प्रति उनकी गहन प्रतिबद्धता ने इस आयोजन को विशेष उपलब्धि प्रदान की। उन्होंने कहा कि भारतीय शिक्षा प्रणाली का वैश्विक पुनरुत्थान आवश्यक है और यह संगोष्ठी इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. एचएल वर्मा ने भारतीय ज्ञान परंपरा की प्रासंगिकता और उसके संरक्षण की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय ग्रंथों में निहित ज्ञान केवल धार्मिक नहीं बल्कि वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी अद्वितीय है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि यदि हमें वैश्विक मंच पर भारत को एक ज्ञान-संपन्न राष्ट्र के रूप में प्रस्तुत करना है।

सांस्कृतिक मूल्यों को बचाना जरूरी

मुख्य अतिथि प्रो. परविंदर सिंह ने भारतीय ज्ञान परंपरा की वैश्विक स्वीकार्यता एवं उसकी आधुनिक समाज में उपयोगिता पर विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि योग, ध्यान और आयुर्वेद जैसे विषयों को विश्वभर में मान्यता प्राप्त हो रही है, जो इस बात का प्रमाण है कि भारतीय ज्ञान प्रणाली कितनी प्रभावशाली है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि हमे अपने सांस्कृतिक मूल्यों को बचाए रखते हुए आधुनिकता को अपनाना चाहिए।

खेड़ी महम में धूमधाम से मनाई गई स्वामी निरंजन गिरी महाराज की पुण्यतिथि

महम। खेड़ी महम गांव के शिवानंद आश्रम में स्वामी निरंजन गिरी महाराज की पुण्यतिथि धूमधाम से मनाई गई। शुक्रवार को सुंदर कांड का पाठ और सत्संग किया गया। शनिवार को सुबह हवन यज्ञ किया गया। उसके बाद संतों के प्रवचन हुए। आश्रम में भंडारा लगाया गया और धर्मार्थ अस्पताल में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। रक्तदान शिविर में 175 लोगों ने रक्तदान कर पुण्य कमाया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉक्टर कृष्ण कुमार लांबा ने की। राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा ने यहां शनिवार सुबह बहु उद्देश्यीय हॉल का शिलान्यास किया। सांसद के निजी सचिव महेश शर्मा ने बताया कि यह हॉल सांसद निधि से 11 लाख 70 हजार रुपये की लागत से बनाया जाएगा। सांसद निधि से पहले यहां पर हॉल के निर्माण पर 11 लाख रुपए खर्च किए जा चुके हैं। 4 लाख रुपये के अन्य छोटे कार्य करवाए गए हैं। आश्रम व धर्मार्थ औषधालय में अब तक कुल 27 लाख 70 हजार रुपए की ग्रांट मंजूर हो चुकी है।

58 वें जन्मदिन पर 103 वीं बार किया रक्तदान, किया सम्मानित

रोहतक। शहर में रक्तदान के क्षेत्र अपनी अलग पहचान बनाने वाले शतकवीर रक्तदाता तस्वीर हुड्डा के 58 वें जन्मदिन के अवसर पर सुखपुरा चौक पर रोहतक फोटोग्राफी संघ के तत्वाधान में रक्तदान शिविर और नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। जिसके अंदर तस्वीर हुड्डा ने 103 वीं बार रक्तदान किया। इस मौके पर उनका हौसला बढ़ाने के शहर के प्रसिद्ध उद्योगपति और समाजसेवी राजेश जैन पहुंचे, साथ ही महापौर रामअवतार बाल्मीकि भी पहुंचे। जिन्होंने सभी रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया और उनका हौसला बढ़ाया। राजेश जैन ने कहा कि तस्वीर हुड्डा आज के समय में देश के पहले ऐसे दिव्यांग रक्तदाता है जिन्होंने 100 से ज्यादा बार रक्तदान किया है। महापौर रामअवतार वाल्मीकि ने कहा कि तस्वीर हुड्डा आज भले ही 100 से ज्यादा बार रक्तदान कर चुके हैं। लेकिन अब भी उनके हौसले और जुनून में किसी भी तरह की कोई कमी नहीं आई है।

रामा आश्रम में भजन संध्या का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

श्री नगर कॉलोनी स्थित रामा आश्रम में दो दिवसीय विशाल मां भगवती जागरण, दुर्गाष्टमी हवन व भजन संध्या का आयोजन नवरात्रों के पावन अवसर पर किया गया। 4 अप्रैल को रात्रि 10 बजे से विशाल मां भगवती जागरण का आयोजन किया गया। इसमें 101 ज्योत प्रज्वलित की गई। भजन गायकों ने अपनी मधुर वाणी में सुन्दर भजनों की प्रस्तुति दी। मंच संचालन सुभाष अनुराग ने किया। शनिवार को सुबह 9 बजे से 12 बजे तक दुर्गाष्टमी हवन किया गया। इसके बाद दोपहर 1 बजे से 3 बजे तक भजन सन्ध्या का आयोजन हुआ, जिसमें भजन गायक भारत सहगल, संजय शर्मा, गुलशन खुराना, सतपाल ने भजनों की प्रस्तुति दी। महंत अशोक दास महाराज ने भक्तों को नवरात्र व माता रानी की महिमा का गुणगान किया। महंत रामानुज दास महाराज ने सभी का धन्यवाद किया। इस मौके पर भंडारे का आयोजन भी किया गया।

कंजक पूजन किया

रोहतक। स्वामी बालकपुरी महाराज की कृपा से प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी वासन्त नवरात्र का पर्व धूमधाम के साथ पुरिधाम में महामंडलेश्वर स्वामी कर्णपुरी महाराज के सानिध्य में मनाया जा रहा है। इस क्रम में 5 अप्रैल को कन्या पूजन (कंजक) किया गया। इसके बाद प्रतिपदा तिथि से चल रहे शतचंडी यज्ञ का हवन का आयोजन किया गया।

पंडित लख्मीचंद के पौत्र विष्णु शर्मा का पगड़ी पहनाकर सम्मान किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

ककराना गांव में पंडित लख्मीचंद के पौत्र विष्णु शर्मा का पगड़ी पहनाकर सम्मान किया गया। इस मौके पर सांग का आयोजन भी किया गया। इस दौरान अखिल भारतीय पहरावर गौशाला के लिए दान देकर सहयोग किया गया। गौशाला के प्रधान नरेश शर्मा, विजेंद्र ब्रह्मचारी, हनुमान सरपंच, सतवीर शर्मा, रामवीर पहलवान, सजय शर्मा सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने बढ़ चढ़कर सहयोग किया।

खंड स्तरीय योगा ओलंपियाड में प्रतिभागियों ने दिखाई प्रतिभा

विजेता खिलाड़ी पुरस्कार देकर किए सम्मानित

चयनित खिलाड़ी 11 अप्रैल को जिला स्तर पर होने वाली प्रतियोगिता में रोहतक ब्लॉक का प्रतिनिधित्व करेंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

कार्यक्रम में ये रहे मौजूद

सभी विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर गवर्नमेंट मॉडल संस्कृति स्कूल, भिवानी रोड की प्रिंसिपल रजनी शर्मा, डाइट मदीना से डॉ सतीश शर्मा, भूपेंद्र सिंह, ओमपाल डीपीई, डॉक्टर जनक राज, राजेश नांदल डीपीई, अमरपाल डीपीई, दिशा सांगवान, कविता, सभी स्कूलों के टीम इंचार्ज, प्रतिभागी खिलाड़ी मौजूद रहे।

शिक्षा विभाग हरियाणा द्वारा खंड स्तरीय योगा ओलंपियाड का शनिवार को गवर्नमेंट मॉडल संस्कृति सीनियर सेकेंडरी स्कूल भिवानी रोड पर आयोजन किया गया, जिसमें रोहतक ब्लॉक के सभी सरकारी व सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालय के कक्षा 6 से 8 (लड़के व लड़कियां) और कक्षा 9 से 10 (लड़के व लड़कियां) के खिलाड़ियों ने अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। योग एक्सपर्ट डॉक्टर जनक राज ने बताया कि कक्षा 6 से 8 में लड़कों में मानव प्रथम, देव द्वितीय, पवन तृतीया और साहिल ने चौथा स्थान व लड़कों में ही कक्षा 9 से 10 में कुणाल प्रथम, शनि द्वितीय, कार्तिक तृतीया और प्रियांशु ने चौथा स्थान हासिल किया। वहीं लड़कियों में कक्षा 6 से 8 में यशिका प्रथम, मनीषा द्वितीय, मेघा तृतीया और हिमांशी ने चौथा स्थान और कक्षा 9 से 10 में श्रुति प्रथम, सोनिया द्वितीय स्थान, दिशु ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। रोहतक की खंड शिक्षा अधिकारी राजबाला ने बताया कि ये सभी चयनित खिलाड़ी 11 अप्रैल को जिला स्तर पर होने वाली प्रतियोगिता में रोहतक ब्लॉक का प्रतिनिधित्व करेंगे।

TOP-IN-TOWN रोहतक बाजार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें: विज्ञापन विभाग, हरिभूमि कार्यालय, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
मो. 9996959400, 9996985800, 9996965600, 9996954600

शिव देव सर्विसेज
आवश्यकता है
मैन पावर कंपनी में
• एचआर हेड (महिला)
• फील्ड ऑफिसर
• टेलीकॉलर (महिला)
सिक्योरिटी गार्ड और हाउसकीपिंग स्टाफ के लिए सम्पर्क करें।
202, टाउन सेंटर मॉल, डी-पार्क, रोहतक
अपना रिज्यूम व्हाट्सएप करें M. 9991789000

SHORT AND LONG TERM NEW BATCHES
CUET DU/KU/IPU/MDU
IPM-IIMs (ROHTAK, INDORE, AMRITSAR, RANCHI, BANGALORE, JAMMU, BODHGAYA)
CAT-2025 IIMs
NDA
BBA
HM (HOTEL MANAGEMENT)
T.I.M.E. Triumphant Institute of Management Education Pvt. Ltd.
D-Park, Delhi Road Rohtak M. 9254304337

राजकीय स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय का दीक्षांत समारोह 11 को, शिक्षा मंत्री होंगे मुख्यातिथि

रोहतक। राजकीय स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय का दीक्षांत समारोह 11 अप्रैल को महाविद्यालय में अयोजित किया जाएगा। समारोह को लेकर शुनिवार को प्राचार्या डॉ दर्शना ने सभी संबंधित स्टाफ मेंबर्स की मीटिंग की और आवश्यक दिशानिर्देश दिए। समारोह के मुख्यातिथि शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा होंगे। सत्र 2023-24 के दौरान जिन छात्राओं ने स्नातक एवं स्नातकोत्तर के कोर्स पास किये हैं उन सभी छात्राओं को मुख्य अतिथि द्वारा डिग्री दी जायेगी। बीए, बीएससी, बीकॉम सभी पीजी के सभी संकायों को मिलाकर 1250 छात्राओं को डिग्री वितरीत की जाएगी। कार्यक्रम संयोजक डॉ. मीनू नैन को बनाया गया है। आयोजन को लेकर महाविद्यालय में तैयारियां जोर शोर से चल रही हैं। मीटिंग में डॉ. सुभाष बल्हारा, डॉ. वीना सचदेवा, डॉ. ऋतु हूडा, डॉ. फूल कुमार, डॉ. अनिता, डॉ. बसंत कुमार, डॉ. नीरज, डॉ. नीलम, डॉ. सचिन, डॉ. सत्यवान, आदि उपस्थित रहे।

मां महागौरी की पूजा से भक्तों के कष्ट होते दूर : साध्वी मानेश्वरी देवी

सुबह 10 बजे रामायण पाठ और 4 बजे मां दुर्गा के भजनों का किया गुणगान

- पंडित अशोक शर्मा ने प्रसाद वितरित किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

माता दरवाजा स्थित संकट मोचन मंदिर में ब्रह्मलीन गुरुमां गायत्री के सानिध्य में शनिवार को चैत्र मास की शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि को मां जगदंबे के आठवें स्वरूप महागौरी मां की पूजा-अर्चना की। भक्तों ने विधिनुसार, मंत्रोच्चारण, श्रद्धा, उत्साह, सुख-समृद्धि की कामना की। सुबह 10 बजे रामायण पाठ का आयोजन हुआ। लाड़लिया मां झंडे वाली महामंडल द्वारा 4 बजे श्री दुर्गा स्तुति पाठ व मां के भजनों का गुणगान किया गया। इसके बाद पंडित अशोक शर्मा ने प्रसाद

रोहतक। माता दरवाजा स्थित संकट मोचन मंदिर में नवरात्र महोत्सव के उपलक्ष भक्तजनों के साथ डांडियों खेलते साध्वी मानेश्वरी देवी।

महागौरी मां ने की थी कठोर तपस्या

साध्वी मानेश्वरी देवी ने कहा कि पौराणिक कथा के अनुसार पर्वतराज हिमालय के घर जन्म लेने के बाद मां पार्वती ने पति रूप में भगवान शिव को प्राप्त करने के लिए हजारों वर्षों तक कठोर तपस्या की थी, जिसके कारण माता का शरीर काला पड़ गया था। तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने मां पार्वती को पत्नी के रूप में स्वीकार किया और उनका शरीर गंगा के पवित्र जल से धोकर कांतिमय बना दिया। तब से माता पार्वती के इस स्वरूप को महागौरी कहा जाने लगा।

राम नवमी पर आज होगा हवन, लगेगा भंडारा

साध्वी ने बताया कि मंदिर में रविवार 6 अप्रैल को राम नवमी भक्ति भाव से मनाई जाएगी। मां के नौवें स्वरूप की पूजा अर्चना की जाएगी। सुबह 8 बजे हवन, 11:30 बजे रामायण पाठ का भोग, कन्याओं का पूजन, 12 बजे साध्वी मानेश्वरी देवी व संत-महात्माओं के सत्संग, प्रवचन आर्शीवचन और दोपहर एक बजे भंडारे का आयोजन किया जाएगा। कन्याओं के चरण धोकर, हाथों पर रोली बांधकर, माथे पर तिलक, श्रृंगार का सामान, आरती, छोले-पूड़ी-हलवा, नारियल तथा भंडारे का प्रसाद कन्याओं को दिया जाएगा।

मां की भक्ति से कामनाएं होती पूरी

गद्दीनशीन साध्वी मानेश्वरी देवी ने नवरात्रों के पावन पर्व पर भक्तों को प्रवचन देते हुए कहा कि महागौरी मां की की पूजा व भक्ति करने, आरती सुनने या पढ़ने से समस्त कष्ट दूर हो जाते हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार नवरात्रि में मां दुर्गा की सच्चे मन से आराधना की जाए तो सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। मां महागौरी की विधि-विधान से पूजा करने वाले भक्तों के बिगड़े काम बनते हैं, बीमारी से मुक्त होता है व परिवार निरोग जीवन व्यतीत हैं।

खबर संक्षेप

नागरिक नशे से रहे दूर: सीजेएम डॉ. तरन्नुम

रोहतक। जिला एवं सत्र न्यायाधीश नीरजा कुलवंत कलसन के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम डॉ. तरन्नुम खान ने स्थानीय पीजीआईएमएस स्थित राज्य नशा मुक्ति केंद्र का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने इस केंद्र में उपचार ले रहे मरीजों से मुलाकात की तथा उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। उन्होंने इस केंद्र में उपचाराधीन मरीजों को नशे की लत छोड़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि हर प्रकार के नशे से दूर रहे।

हरियाणा एक्स सर्विसीज लीग का सम्मेलन 6 को

महम। हरियाणा एक्स सर्विसेज लीग हिसार का वार्षिक सम्मेलन 6 अप्रैल को हिसार के मनवार बैंक्वट हॉल में आयोजित किया जाएगा। इस संबंध में एक बैठक मनवार बैंक्विट हॉल नजदीक गोदारा पेट्रोल पंप आजाद नगर में बैठक का आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता हिसार लीग के प्रधान सूबेदार कृष्ण गोदारा ने की। बताया कि पिछले साल की तरह इस साल भी लीग का वार्षिक सम्मेलन 6 अप्रैल को सुबह साढ़े दस बजे बजे से 2 बजे तक आयोजित किया जाएगा।

राजकीय महिला कॉलेज में हुई पेरेंट्स टीचर मीटिंग

रोहतक। राजकीय महिला महाविद्यालय लाखन माजरा में पेरेंट्स टीचर मीटिंग का आयोजन किया गया। कार्यवाहक प्राचार्य एवं भौतिकी विभाग के विभाग अध्यक्ष डॉ. अंजलि मान ने बताया कि इस मीटिंग का उद्देश्य छात्राओं के अभिभावकों से विभिन्न पहलुओं पर उनके विचारों को साझा करना था। महाविद्यालय के प्राध्यापकों ने शैक्षणिक, गैर शैक्षणिक, अनुशासन सहित मूलभूत सुविधाओं इत्यादि पर अभिभावकों से मंत्रणा की तथा उनके सुझावों का संकलन किया।

महम में अभी नहीं हो पा रही गेहूं की खरीद

हैफेड ने 1,636 गेहूं व 1,100 क्विंटल सरसों की खरीदी की, उठान बाकी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

न्यू अनाज मंडी में गेहूं की खरीद एक अप्रैल से शुरू हो गई थी। लेकिन गेहूं में नमी के कारण खरीद नहीं हो पा रही थी। शनिवार को शुरू हुई खरीद में हैफेड ने 1636 क्विंटल गेहूं के साथ 1100 क्विंटल संरसों की भी खरीद की है। खरीद ज्यादा भी हो सकती थी। लेकिन फसल में नमी की मात्रा ज्यादा होने के कारण खरीद आगे नहीं बढ़ पाई। कुछ दिन पहले तक किसानों के लिए कुछ सुविधाएं मंडी में शुरू नहीं हो पाई थी। जिसे प्रशासन ने सभी दुविधाओं को दूर कर किसानों को राहत दी है।

किसानों को किया जा रहा जागरूक

शहर की मंडी में अभी तक उठान शुरू नहीं हो पाया है। क्योंकि खरीद होने के बाद उन्हें बारदाने में भरा जाएगा। उसके बाद उनका वजन हाने के बाद से ही उठान शुरू हो पाएगा। हैफेड एजेंसी गेहूं व संरसों की खरीद कर रहा है। नमी वाली फसल की खरीद नहीं की जा रही है। ऐसे में किसानों को फसल को सूखाकर ही लाने के लिए जागरूक किया जा रहा है। ताकि उन्हें खरीद के समय किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े।

रोहतक। सांपला मंडी में गेहूं की फसल की जांच करते हुए अधिकारी।

फसलों को सुखाकर लाएं मंडी : उपायुक्त

डीसी धीरेंद्र खड़गटा ने किसानों से आह्वान किया है कि वे गेहूं व सरसों की फसल को सुखाकर एवं साफ करके मंडियों में लाएं। किसान फसल अवशेषों का उचित प्रबंधन करें ताकि पर्यावरण संरक्षित रहे तथा भूमि की उपजाऊ शक्ति भी बढ़ सके। अब तक जिला की मंडियों में 48.30 मीट्रिक टन गेहूं एवं 11805.42 मीट्रिक टन सरसों की खरीद की गई है। सरसों की खरीद न्यूनतम समर्थन मूल्य 5950 रुपए प्रति क्विंटल तथा गेहूं की खरीद न्यूनतम समर्थन मूल्य 2425 रुपए प्रति क्विंटल की दर से की जा रही है।

शुक्रवार तक जिला की सांपला मंडी में 48.30 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की गई। जिला की मंडियों में सरसों की खरीद भी जारी है। अब तक जिला की मंडियों में 11805.42 मीट्रिक टन सरसों खरीदी गई है। कलानौर मंडी में हैफेड द्वारा 4703.62 मीट्रिक टन, महम मंडी में हरियाणा स्टेट वेयर हाउस कारपोरेशन द्वारा 4414.90 मीट्रिक टन, रोहतक मंडी में हैफेड द्वारा 819.30 मीट्रिक टन तथा सांपला मंडी में हैफेड द्वारा 1867.60 मीट्रिक टन सरसों की खरीद की गई है। जिला प्रशासन द्वारा मंडियों में सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाई गई तथा खरीद सीजन को सुचारू ढंग से संपन्न करवाने के लिए सभी आवश्यक प्रबंध किए गए है।

महम अनाज मंडी में गेहूं की आवक शुरू

महम अनाज मंडी में गेहूं की आवक शुरू हो गई है। अब तक मंडी में 418 क्विंटल गेहूं पहुंच चुका है। लेकिन अभी तक अनाज मंडी में गेहूं की खरीद शुरू नहीं हो सकी है। हालांकि सरकार द्वारा एक अप्रैल से गेहूं खरीद के आदेश जारी किए थे। शनिवार को मार्केट कमेटी महम की ओर से किसानों को 6 गेट पास जारी किए। अब तक 11 किसानों को गेट पास जारी किए जा चुके हैं। शनिवार को 418 क्विंटल गेहूं पहुंचा। अब तक अनाज मंडी में 615 क्विंटल गेहूं की आवक हो चुकी है। लेकिन अभी तक गेहूं की खरीद शुरू नहीं हो सकी है। यदि सरसों की फसल की बात करें, तो अब तक मंडी में 53518 क्विंटल सरसों की फसल की आवक हो चुकी है। शनिवार को 5695 क्विंटल सरसों खरीदी गई। मंडी में अब तक 49844 क्विंटल सरसों खरीदी जा चुकी है। 3674 क्विंटल सरसों अब तक खरीदी नहीं जा चुकी है। महम अनाज मंडी में अब तक 36211 क्विंटल सरसों की लिफ्टिंग हो चुकी है।

सांपला में 1400 क्विंटल गेहूं की खरीद

वहीं अनाज मंडी सांपला में गेहूं की सरकारी खरीद शुरू हुई। शनिवार को 1400 क्विंटल गेहूं की खरीद की गई। सरकारी खरीद शुरू से किसान और आढ़तियों के चेहरे पर चमक आ गई। पिछले तीन चार दिन से गेहूं की सरकारी खरीद होने का बेसब्री से इंतजार कर थे ।किसान और आढ़तियों ने शनिवार को राहत की सास ली। मार्केट कमेटी सचिव सविता देवी के नेतृत्व में दोपहर को गेहूं की सरकारी खरीद शुरु की गई। इस अवसर पर हरियाणा वेयर हाउस के कर्मचारी व किसान मौजूद रहे। मंडी में गेहूं की आवक बढ़ गई है। शनिवार को भी सैंकड़ों क्विंटल गेहूं बिक्री के लिए मंडी में पहुंचा। लेकिन फसल में नमी भी बताई जा रही है। मार्केट कमेटी सचिव सविता सैनी ने बताया कि खरीद के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं आने दी जाएगी। किसान अपनी फसल को साफ और सुखाकर ही मंडी में बिक्री के लिए लाएं।

इंडस पब्लिक स्कूल के छात्र छात्राओं ने किया शैक्षिक भ्रमण

- भ्रमण का उद्देश्य छात्रों को पढ़ाई के साथ-साथ औद्योगिक क्षेत्र की जानकारी से अवगत कराना रहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

इंडस पब्लिक स्कूल के कक्षा तीसरी से सातवीं तक के छात्रों ने शनिवार को वीटा मिल्क प्लांट व कक्षा आठवीं से 12वीं तक के छात्रों ने एलपीएस बोसार्ड फास्टनर औद्योगिक क्षेत्र का भ्रमण किया। इस भ्रमण का उद्देश्य छात्रों को पढ़ाई के साथ-साथ औद्योगिक क्षेत्र की जानकारी से अवगत कराना रहा, इससे छात्रों में कार्य कुशलता का विकास होगा व रोजगार के क्षेत्र में नई जानकारी प्राप्त होगी। एलपीएस बोसार्ड की एचआर प्रमुख नेहा और उनकी टीम ने छात्रों को वहां की कार्यप्रणाली से अवगत कराया तथा छात्रों द्वारा पूछे प्रश्नों के उत्तर दिए।

वीटा मिल्क प्लांट का अवलोकन किया

कक्षा तीसरी से सातवीं तक के छात्रों ने वीटा मिल्क प्लांट के विभिन्न विभागों का अवलोकन किया तथा वीटा मिल्क प्लांट की कार्य प्रणाली के बारे में जानकारी प्राप्त की। छात्रों ने बारीकी से दूध से घी, मक्खन, क्रीम, पनीर और दही आदि बनाने की प्रक्रिया को जाना। मिल्क प्लांट के मार्केटिंग स्टाफ से सुनील और साक्षी अहलावत ने पाश्चुरीकृत दुग्ध की पूर्ण जानकारी दी। विद्यालय की चेयरपर्सन एकता सिंधु ने कहा कि औद्योगिक क्षेत्र किसी देश की अर्थव्यवस्था का मुख्य चालक होता है। औद्योगिक क्षेत्र के विकास से देश का आर्थिक विकास होता है, इससे छात्रों में रोजगार कौशल के प्रति आकर्षण बढ़ता है। डायरेक्टर प्रधानाचार्य डॉक्टर सुषमा झा ने कहा कि शैक्षिक भ्रमण छात्रों को कक्षा के दायरे से परे प्रत्यक्ष अनुभव और व्यवहारिक ज्ञान प्रदान करता है।

राजकीय स्कूल में वाटर कूलर किया भेंट

रोहतक। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय लाढ़ौत एलपीएस के एमडी राजेश जैन ने वाटर कूलर भेंट किया गया। इस दौरान सभी बच्चों को नोटबुक देकर पुरस्कृत किया। इस दौरान महाराजा अग्रसेन विकास ट्रस्ट के सभी सदस्यों ने बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना के साथ आशीर्वाद दिया। इस मौके पर प्राचार्या सरोज बहमनी आदि मौजूद रहे।

दुर्गा अष्टमी के अवसर पर कंजकों को कराया भोजन

रोहतक। गौकर्ण डेरे पर दुर्गा अष्टमी के अवसर पर कंजकों को तिलक लगाकर भोजन करवाते महामंडलेश्वर बाबा कपिलपुरी महाराज ।

पॉजिट्रोन अस्पताल में लगाया नि:शुल्क कैंसर जांच शिविर

- लैब टेस्ट पर 50 प्रतिशत और दवाइयों पर भी छूट दी गई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

पॉजिट्रोन अस्पताल सेक्टर 35 सनसिटी द्वारा 5 दिन का फ्री मेगा कैंसर कैंप लगाया गया। अस्पताल के सीईओ अनिल यादव ने बताया कि इस कैंप में हरियाणा की सबसे बड़ी कैंसर टीम द्वारा मरीजों की फ्री जांच की गई। कैंप में रेडिएशन के डॉक्टर, कैंसर सर्जरी के डाक्टर, कीमौथेरेपी के डाक्टर द्वारा मुफ्त जांच की गई गई। इस कैंप में फ्री मैमोग्राफी, फ्री पैप स्मीयर, फ्री पीएसए आदि टेस्ट किए गए। यह शिविर 1 अप्रैल से 5 अप्रैल तक लगाया गया, जिसमें काफी संख्या में मरीजों ने अपनी जांच करवाई। उन्होंने बताया कि इस कैंप में लैब टेस्ट पर 50 प्रतिशत तक छूट दी गई।

साथ ही दवाइयों पर भी छूट दी गई। इस कैंप में बड़ी संख्या में कैंसर के मरीज पहुंचे जिनका इलाज कर परामर्श दिया गया। अनिल यादव ने बताया कि इससे पहले भी अस्पताल द्वारा कई कैंप लगाए जा चुके हैं। जिसमें शहर और आसपास के क्षेत्र के लोगों ने आकर काफी फायदा उठाया है।

ओरिएंटेशन प्रोग्राम का किया आयोजन

रोहतक। शनिवार को पठानिया स्कूल में नए शैक्षणिक सत्र की शुरूआत में कक्षा नर्सरी से बारहवीं के विद्यार्थियों के नए बैच के स्वागत के लिए ओरिएंटेशन प्रोग्राम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 550 से अधिक विद्यार्थी एवं उनके अभिभावकों ने भाग लिया। कार्यक्रम का आयोजन पठानिया वल्ड कैम्पस में किया गया। ओरिएंटेशन प्रोग्राम का उद्देश्य नए विद्यार्थियों को स्कूल की कार्यप्रणाली व नियमों से अवगत कराना रहा। कार्यक्रम का शुभारम्भ विद्यालय निदेशक अंशुल पठानिया, को-फाउंडर वर्षा पठानिया, प्रधानाचार्या तन्वी पठानिया, उप-प्रधानाचार्या प्रीति ढांडा, सुनीता मोर, हैड मिस्ट्रेस सुमन राठी ने किया। इसके बाद गुरु-शिष्य परंपरा पर विद्यार्थियों द्वारा मनमोहक नृत्य प्रस्तुति दी गई। मंच संचालन प्रभा शर्मा व रजनी गुलाटी ने किया। उन्होंने स्कूल की शिक्षण विधि व सुविधाओं के बारे में जानकारी दी। इस दौरान विद्यार्थियों व उनके अभिभावकों ने क्लास रूम, कम्प्यूटर लैब, रोबोटिक्स लैब, लाइब्रेरी, प्ले ग्राउंड आदि का भ्रमण किया।

परिवर्तन दमकल विभाग ने कर्मचारियों की अलग-अलग शिफ्ट में लगाई ड्यूटी

आगजनी की घटनाओं को रोकने के लिए विद्युत निगम ने लिया फैसला

बिजली शेड्यूल बदलने का निर्णय, दिन में खेतों की बिजली रहेगी बंद, 2,000 एकड़ से गुजरे हैं तार

रोहतक। गेहूं की फसल के उपर से गुजरी बिजली लाइन।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सांपला

गेहूं फसल की कटाई शुरू हो गई है। आगजनी की घटनाओं को रोकने के लिए विद्युत निगम ने अपना बिजली सप्लाई का शेड्यूल भी बदलने का निर्णय लिया है। अब खेतों में ट्यूबवेलों के लिए सप्लाई दी जाने वाली बिजली दिन भर बंद रहेगी। इसके अलावा दमकल विभाग ने भी अपने कर्मियों की ड्यूटी अलग-अलग शिफ्ट में लगा दी गई है। हर वर्ष गेहूं की कटाई दौरान बिजली तारों से चिंगारियां से फसल में आग लगने खतरा रहता है इस खतरे से निपटने के लिए ही निगम ने यह फैसला लिया है। इलाके में करीब 2000 एकड़ में बिजली के तार खेतों के उपर से गुजरे हुए हैं। ज्यादा गर्मी होने के कारण कई जगह तारों से छोटी चिंगारी फसल को अपनी चपेट में ले लेती है। इससे किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। इस बार विद्युत निगम ने पहले ही तैयारी शुरू कर दी हैं और खेतों से गुजरने वालों लाइन को दिनभर बंद रखा जाएगा। इसके अलावा भैंसरु खुर्द और संमचाना गाव की पंचायत ने भी निगम को सुबह 9:00 से शाम 5:00 बजे तक बिजली बंद करने की अपील की है।

गर्म मौसम से फसल को खतरा

कृषि विभाग से डाक्टर संदीप कुमार ने बताया कि गेहूं के सीजन में मौसम गर्म हो जाता है। ऐसे में तेज हवा में आग लगने का खतरा काफी हद तक बढ़ जाता है। यदि किसी खेत में आग लग जाती है तो कच्चे रास्ते के कारण दमकल विभाग की गाड़ी भी तेज गति से नहीं जा सकती। इसलिए किसान को बचाव पर पहले ध्यान देना चाहिए ,ताकि आग से फसल को होने वाले नुकसान को बचाया जा सके। पिछले वर्ष भी कई एकड़ फसल जल गई थी।

शहरी क्षेत्र में रुटीन में चलेगी बिजली

गेहूं के सीजन को देखते ही हुए अप्रैल माह में बिजली सप्लाई दिन के समय बंद रहेगी, जबकि शहरी क्षेत्र में बिजली रुटीन में चलेगी। फसल जलने से किसानों को नुकसान न हो इसलिए निगम ने यह निर्णय लिया। किसानों से अपील की है कि वह अपनी फसल को लाइनों के नीचे इकट्ठा न करें और जहां खेत में ट्रांसफार्मर लगा है उसके आसपास घास फूस की सफाई रखें।

-जोगिंदर सिंह मोर, एसडीओ, विद्युत निगम सांपला।

बीते वर्ष रामनवमी के पावन अवसर पर अयोध्या में सूर्य किरणों से नवप्रतिष्ठित रामलला के ललाट पर सूर्य तिलक किया गया था। आज रामनवमी से प्रतिदिन रामलला के सूर्य तिलक की योजना बनाई गई है। ऐसा कैसे संभव होगा, इसके लिए कैसे तकनीक काम करेगी और देश-विदेश में ऐसा और कहां हो चुका है? इस बारे में विस्तार से जानिए।

श्रीरामलला के ललाट पर नियमित होगा सूर्य तिलक

आवरण कथा

लोकमित्र गौतम

आज से अयोध्या के श्रीराम मंदिर में रामलला का प्रतिदिन सूर्य तिलक होगा। यह फैसला मंदिर निर्माण समिति ने लिया है। इसके तहत करीब 4 मिनट तक सूर्य की किरणें रामलला के ललाट को सुशोभित किया करेंगी। समिति के अध्यक्ष और पूर्व आईएएस नृपेंद्र मिश्र के मुताबिक हर दिन सूर्य तिलक की प्लानिंग अभी अगले 20 सालों तक के लिए की गई है।

गौरतलब है कि पिछले साल रामनवमी के दिन यानी 17 अप्रैल, 2024 को पहली बार रामलला का राजतिलक सूर्य की किरणों से किया गया था, जिसे 'सूर्य तिलक' कहा गया। इसकी वैज्ञानिक तकनीक मुख्य रूप से प्रकाश के परावर्तन और अपवर्तन के सिद्धांतों पर आधारित है।

कैसे किया गया सूर्य तिलक

सूर्य तिलक के लिए सबसे पहले संग्रहण लेंस और दर्पणों की मदद से सूर्य की किरणों को एक नियत स्थान पर केंद्रित किया गया। यह सूर्य की स्थिति की सटीक खगोलीय गणना और इंजीनियरिंग का कमाल था, जिससे दर्पणों और लेंसों को एक खास कोण पर स्थापित किया गया, जिससे सूर्य की किरणें सीधे रामलला के मस्तक पर सुशोभित हुईं। इस समूची प्रक्रिया में सौर संरेखण और भारतीय खगोलशास्त्र के सटीक ज्ञान का प्रयोग किया गया। पहले ऐसा करना हर वर्ष रामनवमी के दिन के लिए प्रस्तावित था। लेकिन आज रामनवमी से अगले 20 सालों तक हर दिन ऐसा होगा।

पहले भी हुआ है ऐसा

मुगलों द्वारा क्षतिग्रस्त किए जाने के पहले तक ओडिशा स्थित कोणार्क के सूर्य मंदिर के मुख्य गर्भगृह तक भी सूर्य की पहली किरणें पहुंचती थीं। लेकिन वहां किसी प्रतिमा के मस्तक पर सटीक तिलक नहीं होता था। इसी तरह महाराष्ट्र के कोराडी मंदिर में भी सूर्य की किरणें एक विशेष दिन गर्भगृह में प्रवेश करती हैं। ऐसे ही मदुरै (तमिलनाडु) के मीनाक्षी मंदिर में भी सूर्य की रोशनी गर्भगृह तक पहुंचती है। बृहदेश्वर मंदिर (तंजावुर) में भी विशेष संरेखण के जरिए शिवलिंग पर एक निश्चित समय सूर्य की रोशनी गिरती है। लेकिन इन सभी मंदिरों में किसी मूर्ति के सटीक मस्तक पर तिलक होने की तकनीक पहले कभी नहीं थी, जिस तरह की तकनीक से अयोध्या में रामलला के मस्तक को सुशोभित किया जा रहा है। ऐसी विशिष्ट तकनीक पहली बार प्रयोग की गई है। इससे पहले की सारी तकनीकें प्रकाश संरेखण के जरिए सूर्य

कोणार्क का सूर्य मंदिर

रामनवमी विशेष

की किरणों को गर्भगृह पहुंचाने तक ही सीमित थीं।

अनोखी है यह तकनीक

यह तकनीक वास्तव में इंजीनियरिंग और खगोलशास्त्र का संगम है। इस तकनीक में खगोलशास्त्र और भौतिकी (प्रकाश) विज्ञान का एक साथ उपयोग किया गया है। वास्तव में यह दुर्लभ संरेखण यानी रेयर एलाइनमेंट, बेहद सटीक काल गणना और दर्पण-लेंस प्रणाली के बेहतरीन समन्वय का नतीजा होती है। पहली बार किसी मंदिर में यह सूर्य किरण तिलक धार्मिक अनुष्ठान का हिस्सा बना है। सूर्य तिलक बेहद जटिल तकनीकी है। केवल किसी खास दिन, केवल कुछ निश्चित क्षणों के लिए इसे सुनिश्चित करना भी बड़ी विशेषज्ञता है।

ऐसे होगा हर दिन सूर्य तिलक

चूंकि आज रामनवमी से प्रतिदिन रामलला का सूर्य तिलक किया जाना प्रस्तावित है, इसलिए मन में ऐसे सवाल उठने स्वाभाविक हैं कि जिस दिन सूर्य उगने के समय बारिश हो रही होगी, धुंध और कोहरा छाया होगा, उस दिन यह सब कैसे संभव होगा? जानकारों के मुताबिक अगर किसी दिन बारिश, बादल या मौसम की खराबी के कारण सूर्य दिखाई नहीं देगा, उस दिन यदि सूर्य तिलक की तकनीक पूरी तरह से प्रत्यक्ष सूर्य प्रकाश पर निर्भर होगी तब तो उस दिन सूर्य तिलक संभव नहीं होगा। चूंकि खगोलीय घटनाएं स्वाभाविक रूप से मौसम पर निर्भर होती हैं, इसलिए दुनिया के किसी भी स्थान पर 100% ऐसा करना प्राकृतिक ढंग से सुनिश्चित नहीं किया जा सकता। लेकिन इसे बिना प्रत्यक्ष सूर्योदय के भी 100 फीसदी विभिन्न वैज्ञानिक तकनीक से संभव है। इसके लिए कुछ वैकल्पिक तकनीकी समाधान अपनाए जा सकते हैं, जैसे आर्टिफिशियल लाइटिंग सिस्टम। जिस तरह से सौर ऊर्जा संयंत्रों में सोलर लैंप का उपयोग किया जाता है, उसी तरह एक विशेष प्रकार की प्रकाशीय व्यवस्था यहां भी की जा सकती है। यह एलईडी या लेजर तकनीक का उपयोग कर सूर्य के प्रकाश का कृत्रिम रूप तैयार कर सकती है, जिससे तिलक की परंपरा जारी रह सके। रिफ्लेक्टर मिरर सिस्टम से भी यह संभव है। यदि किसी दिन प्रत्यक्ष सूर्योदय न हो तो इसके लिए पिछले दिनों के एकत्रित प्रकाश का उपयोग किया जा सकता है।

होलोग्राम तकनीक का विकल्प

एक अन्य विकल्प थ्री डी प्रोजेक्शन या होलोग्राम तकनीक भी हो सकती है, जो तिलक के प्रभाव को ठीक वैसे ही दिखाएगी, जैसा वास्तविक सूर्य तिलक के दौरान होता है। हालांकि मंदिर प्रशासन ने अब तक किसी आपातकाल में कृत्रिम विकल्प अपनाने की घोषणा नहीं की है, लेकिन भविष्य में यदि भक्तों की मांग बढ़ती है, तो कृत्रिम रोशनी या वैकल्पिक तकनीकों को शामिल किया जा सकता है।

और भी हैं तकनीकें

कई बार ऐसा भी होता है कि मौसमी परिस्थितियों के चलते सामान्यतः सूर्य उगता हुआ नहीं दिखता, लेकिन वैज्ञानिक तथ्य यही होता है कि तब भी सूरज बादलों के पार उगा होता है और उसकी रोशनी किसी न किसी रूप में धरती पर आ रही होती है। यानी, नियत समय पर तब भी सूर्य अपनी जगह पर उग चुका होता है। वैज्ञानिक उपकरणों की मदद से इस रोशनी का इस्तेमाल सूर्य तिलक के लिए संभव है। इसके लिए, आधुनिक प्रकाशीय तकनीकों (ऑप्टिकल टेक्नोलॉजी) और सौर ऊर्जा संग्रहण प्रणालियों का उपयोग किया जा सकता है। ऑप्टिकल सेंसर और रिले मिरर के साथ-साथ सोलर ट्रैकिंग सेंसर के जरिए जब सूरज उगा हुआ न दिखे तब भी यह संभव है। क्योंकि ये सेंसर सूर्य की स्थिति को ट्रैक करते हैं, भले ही वह बादलों के पीछे छिपा हो। ऐसे में सूर्य की हलकी सी रोशनी को भी ये सेंसर विशेष दर्पण प्रणाली की मदद से मूर्ति के मस्तक तक पहुंचा सकते हैं। इस तकनीक में फाइबर ऑप्टिक्स का भी उपयोग किया जा सकता है और सूर्य की धुंधली रोशनी को भी केंद्रित किया जा सकता है। लब्बोलुआब यह कि वैज्ञानिक उपकरणों की मदद से बादलों के बावजूद सूर्य तिलक संभव किया जा सकता है, लेकिन इसके लिए सोलर ट्रैकिंग, रिले मिरर जैसी लेजर तकनीकों का उपयोग करना होगा। *

दुनिया में और कहां होता है ऐसा

किसी प्रतिमा पर सूर्य किरण से तिलक करने की घटना एक अन्य देश में भी होती है। अबू सिंबल मंदिर (मिस्र) में हर वर्ष 22 फरवरी और 22 अक्टूबर को सूर्य की किरणें सीधे फराओ रामसेस द्वतीय की मूर्ति पर पड़ती हैं। लेकिन मूर्ति के मस्तक जैसे किसी एक विशेष स्थान पर सटीक ढंग से महज कुछ मिनटों के लिए सूर्य की किरणें नहीं गिरतीं जैसे कि अयोध्या के राम मंदिर में प्रतिष्ठित रामलला की मूर्ति के ललाट पर गिरती हैं।

राम नाम की महिमा अपार

दो अक्षरों से निर्मित 'राम' नाम की महिमा की थाह अपार, अनंत और कल्याणकारी मानी जाती है। पुराणों से लेकर धार्मिक साहित्य में भी इस नाम की महत्ता का गुणगान मिलता है। अनेक देशों में राम नाम के नगर और राम नाम धारी अनोखे बैंक इसे प्रमाणित करते हैं।

महात्म्य

शिखर चंद जैन

आपने यह भजन तो अवश्य सुना होगा, 'राम से बड़ा राम का नाम।' यह सुनकर आश्चर्य हो सकता है कि भला प्रभु राम का नाम, उनसे भी बड़ा कैसे हो सकता है! लेकिन यह बात महान ऋषि, मुनि, विद्वान और धर्माचार्य भी कहते रहे हैं। राम का नाम जपने वाले कई संत और कवि हुए हैं। जैसे कबीरदास, तुलसीदास, रामानंद, नाभादास, स्वामी अग्रदास, प्राणचंद चौहान, केशवदास, रैदास या रविदास, दादू दयाल, सुंदरदास, मलूकदास, समर्थ रामदास आदि। प्रभु श्रीराम का नाम सुमिरन करते हुए, नाम जप करते हुए असंख्य साधु-संत मुक्ति को प्राप्त हो गए हैं। कई पुराणों में भी इस तरह का उल्लेख किया गया है कि कलयुग में राम नाम का जप ही लोगों को भवसागर से पार ले जाने वाला सिद्ध होगा।

शिव भी जपते राम का नाम

पौराणिक मान्यता है कि राम नाम की महिमा का वर्णन शिवजी से सुनकर माता पार्वती भी उनका नाम जप करती हैं। शिवजी हनुमानजी का अवतार लेकर भी राम का नाम ही जपते रहते हैं। रामचरित मानस में तुलसीदास जी ने राम नाम की महिमा का कई जगहों पर वर्णन किया है-

महामंत्र जोइ जपत महेसू। कासी मुकुति हेतु उपदेसू॥
महिमा जासु जान गनराऊ। प्रथम पूजिअत नाम प्रभाऊ॥

अर्थात जो महामंत्र है, जिसे महेश्वर श्री शिवजी जपते हैं और उनके द्वारा जिसका उपदेश काशी में मुक्ति का कारण है तथा जिसकी महिमा को गणेशजी जानते हैं, जो इस 'राम' नाम के प्रभाव से ही सबसे पहले पूजे जाते हैं। एक अन्य स्थल पर वे कहते हैं-

रामनाम कि औषधि खरी नियत से खाय,
अंगरोग व्यापे नहीं महारोग मिट जाए।

अर्थात, राम नाम का जप एक ऐसी औषधि के समान है, जिसे अगर सच्चे हृदय से जपा जाए तो सभी आदि-व्याधि दूर हो जाती हैं, मन को परम शांति मिलती है।

स्वयं प्रभु को हुआ अचरज

राम नाम की महिमा का एक प्रसंग बहुत चर्चित है। आपने भी रामायण में पढ़ा होगा कि रामसेतु के निर्माण के समय हर पत्थर पर राम नाम लिखा जा रहा था और हर कोई राम नाम का जयघोष कर रहा था। राम के नाम लिखे पत्थर जब तैरने लगे तो प्रभु श्रीराम भी आश्चर्य में पड़ कर सोचने लगे। उन्होंने सोचा कि जब मेरे नाम लिखे पत्थर तैरने लगे हैं तो यदि मैं कोई पत्थर फेंकता हूं समुद्र में तो उसे भी तैरना चाहिए। मन में यही विचार करके उन्होंने भी एक पत्थर उठा लिया, जिस पर राम का नाम नहीं लिखा था और उसे समुद्र में फेंक दिया, लेकिन वह पत्थर डूब गया। भगवान श्रीराम आश्चर्य में पड़ गए कि आखिर ऐसा क्यों हुआ? दूर खड़े हनुमानजी यह सब देख रहे थे। उन्होंने श्रीराम से कहा, 'प्रभु! आप जिस दुविधा में हैं उसका उत्तर मैं देता हूं। हे प्रभु! आपके नाम को धारण कर तो सभी अपने जीवन की नैया को पार लगा सकते हैं, लेकिन जिसे आप स्वयं त्याग रहे हैं, उसे डूबने से भला कोई कैसे बचा सकता है?'

पाप-अज्ञान से मिले मुक्ति

राम के नाम में इतनी शक्ति है कि उनके नाम का जप करते हुए वाल्मीकि, देवतुल्य ऋषि और तुलसीदास, अज्ञानी से महान ज्ञानी-संत कवि बने।

दुनिया भर में व्याप्त राम का नाम

भगवान राम के नाम का डंका भारत भूमि पर ही नहीं, बल्कि विदेशी धरती पर भी बजता है। एक अध्ययन के मुताबिक राम, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पूज्यनीय हैं। हॉलैंड का महर्षि वैदिक विश्वविद्यालय ऐसा नक्शा बना रहा है, जिसमें राम के नाम से जुड़े करीब एक हजार नगर हैं, इस पर काम चल रहा है। राम नाम से दुनिया के अनेक देशों में नगर मौजूद हैं। इनमें शामिल हैं- ऑस्ट्रेलिया-रामसे, अलास्का-रामीज, बेल्जियम-इवोज रामेट, रामसेल, अफगानिस्तान-रामबुत, जर्मनी-रामवर्ग, रामस्टीन, रामबो, जिंबाब्वे-रामक्काड, लीबिया-रामलहर, लेबनान-रामाथी, सीरिया- रामर, रामट, मैक्सिको-रामीनेज, रामोनल, केन्या-रामा, रामी, डेनमार्क-रामी, रामसी, रामटेनऑ, अमेरिका-रामपो, रामह, रामरीटो, रामीरेज, इराक-रमन, रामूटा, रामा, रामाला, ईरान-रामरोद, रामसार, रामिस्क, रामिया, रूस- रामासुख, रामेसा, रामेला, रामेस्फ, स्पेन- रामाल्स डला विक्टोरिया, इंग्लैंड-रामसगबेट, राम्सगिन, राम टेक्पासाइड, फ्रांस-रामट्यूवेल, सेंट रामवर्ट, सेंट रामबाउलर *

अनोखी आस्था : राम नाम का बैंक

बनारस की पावन धरती पर राम नाम की महिमा को समर्पित राम नाम का एक बैंक है। इस बैंक का नाम है 'राम रमापति बैंक'। यह देश में नित नए खुल रहे राम नाम बैंकों में से सबसे पुराना है। यहां 'राम नाम' का कर्ज भी मिलता है। इस बैंक को 1926 में दास छन्नूलाल ने स्थापित किया था। बैंक के नियम कायदे काफी कठोर हैं, जिनका पालन ग्राहकों को अनुशासित रूप से करना पड़ता है। हर ग्राहक को 500 बार रोज के हिसाब से 1,25,000 बार राम नाम लिखने का वादा करना पड़ता है, वह भी सुबह 4 बजे से शाम को 7 बजे के बीच की अवधि में। लेखन सामग्री और स्याही आदि सब बैंक द्वारा उपलब्ध करवाया जाता है। लाल स्याही के पावडर को गंगा नदी के जल में घोलकर स्याही बनानी पड़ती है। इतने कड़े नियमों के बावजूद इस अनूठे बैंक के डेढ़ लाख आजीवन सदस्य हैं। भगवान की जन्मभूमि अयोध्या में भी अंतरराष्ट्रीय 'श्री सीताराम बैंक' है। यहां सभी भाषाओं में राम का नाम लिखा हुआ स्वीकार किया जाता है। इस बैंक की 101 शाखाएं हैं, जो न सिर्फ हमारे देश में बल्कि अमेरिका, कनाडा, नेपाल और फिजी में भी हैं।

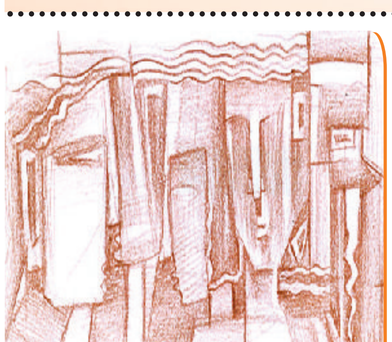

नवगीत

डॉ. माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'

गमलों के बरगद

छांव नहीं दे पाते हैं
गमलों के बरगद
उन्हें देखकर नागफनी
होती है गदगद।
कुछ भी कहने पर बंदिश
हो, हाथ बंधे हों
जिस पर कलम चलाना हो
वो पत्र कंधे हों
नहीं मायने रखता
ऐसे में कोई पद।
अपने बूते चलने वाले
कम दिखते हैं
कुछ परबुधिया हो जाते हैं
कुछ बिकते हैं

लोग तय किया करते हैं
अब औरों की हद।
टेढ़े पेड़ों को हरदम
कटना पड़ता है
बिना मोल के लोगों में
बंटना पड़ता है
जड़ें कटी हों जिसकी
घटता है उसका कद।
निर्भय होने पर ही चिड़िया
उड़ पाती है
खुले गगन से जीवन भर
फिर जुड़ पाती है
पंख तभी खुलते हैं जब
वो भरती है डग।

अरे मियां, घिबली इंसानों की फोटो को कार्टून में बदलता है। हम तो जैसे थे वैसे ही हैं। हमारे सहित लाखों लोग लगे हैं कार्टून बनने में। अब खुद करके देखिए तो समझ जाइएगा कि ये घिबली क्या बला है!

कार्टून इंसान की कार्टून छवि

चुन्नी बाबू सुबह से छः बार कॉल कर चुके थे और हम बात करना टाल रहे थे। सोचा थोड़ी देर में खुद ही समझ जाएंगे लेकिन जब सातवीं बार फिर मोबाइल रिंग के साथ स्क्रीन पर उनका नाम चमका तो लगा कि उधर कुछ ज्यादा ही बेचैनी है।

फोन उठाते ही चुन्नी बाबू गरियाए 'अमां क्या अहमक आदमी हैं आप, एक ओर हमारी दोस्ती का दम भरते हैं और दूसरी ओर हमारे कॉल्स नजरअंदाज करते हैं? एक-दो कॉल हो तो ठीक है छः कॉल घोट कर पी गए। खुदा न खास्ता कोई इमरजेंसी हो तो हम तो तुम्हारे भरोसे नप ही जाएं। तुम्हारे इसी एटीट्यूड के कारण हमने हमारी संभावित 'फोन अ फ्रेंड' की लिस्ट में से तुम्हारा नाम डिलीट कर दिया है।'

व्यंग्य

संदीप भटनागर

चुन्नी बाबू पिछले कई सालों से हॉट सीट के चक्कर में लगे थे।

क्षणिक चुप्पी के बाद चुन्नी बाबू की गहरी सांस ने सिग्नल दिया कि अब बोलने की बारी हमारी है।

'ऐसी तो कोई बात नहीं चुन्नी बाबू कि हम आपका कॉल नजरअंदाज करें वो बस सुबह की मसरूफियत में आपके कॉल मिस कर बैठे, अब बताओ कौन सी इमरजेंसी आन पड़ी है?'

चुन्नी बाबू थोड़ा नॉर्मल होकर बोले, 'सुना है, तुमने अपने रिटायरमेंट के बाद लोगों को ज्ञान बांटने का काम चालू किया है?'

'अरे नहीं चुन्नी बाबू, हम क्या ज्ञान बांटेंगे? इस काम में तो अनेक सोशल मीडिया यूनिवर्सिटी और हजारों वाट्सएप समूहों के एडमिन और लाखों सदस्य दिन-रात लगे पड़े हैं। हमें तो बस कोई बुलाता है तो चले जाते हैं। इस बहाने अपना भी टाइम पास हो जाता है।'

'चलो ठीक है मान ली तुम्हारी बात, लेकिन उसके लिए तुम्हें दुनिया भर की खबर भी तो होनी चाहिए।' अब चुन्नी बाबू ज्ञान बांटने के मूड में लगे।

हमने कहा, 'हां इसी कोशिश में हम कुछ न कुछ पढ़ते-लिखते रहते हैं।'

'पढ़ना-लिखना सब पुराना ट्रेंड हो गया है, इससे कुछ नया हासिल होने वाला नहीं है। हर रोज नई-नई चीजें ट्रेंड हो रही हैं और तुम किताबों से माथा-पच्ची में लगे हो। पिछले कुछ दिनों से घिबली ने देश-दुनिया को हिलाकर रखा है।' चुन्नी बाबू ने हमें धिक्कारा।

हमें लगा कि म्यांमार और पड़ोसी देशों में आए विनाशकारी भूकंप के बाद यह कोई नई मुसीबत आई है। हमने अपने ज्ञान तंतुओं को एकत्रित कर पूछा, 'क्या घिबली कोई नया तूफान या चक्रवात है, जिसकी हमें खबर नहीं है?' बहुधा चक्रवात और तूफानों के इस तरह के नामकरण करने की परंपरा है।

चुन्नी बाबू हमारे अज्ञान पर तरस खाकर बोले, 'अपनी भूरी, मटमैली, नीरस किताबी दुनिया से बाहर निकल कर कुछ समय सोशल साइट्स की रंग-बिरंगी दुनिया में बिताओ तो पता लगे कि क्या हैशटैग हो रहा है और क्या ट्रेंड कर रहा है?'

हम अपनी गैर सामाजिक छवि पर शर्मिंदा हुए और समर्पण भाव से बोले, 'आप ही बता दीजिए कि घिबली क्या बला है, और इसका इतना शोर क्यों है?'

'जनाब इसका पूरा नाम घिबली स्टाइल पोर्ट्रेट है, जो चैटजीपीटी का नया एआई टूल है।' चुन्नी बाबू ने अपनी ज्ञान की पोटली खोली।

'अच्छा! मतलब विज्ञान का तरक्की की ओर एक और कदम। यह हम इंसानों की किस तरह मदद करेगा?' हम चुन्नी बाबू के ज्ञान कुंड में गोता मारने की तैयारी में थे।

'यह इंसानों को कार्टून में बदल देता है।' चुन्नी बाबू के स्वर में उत्साह था।

हमने पूछा, 'आपने ट्राय किया?'

'हां किया और यही बताने के लिए तो सुबह से सात कॉल कर चुके हैं।'

हे भगवान! तो क्या अब चुन्नी बाबू की जगह उनके कार्टून से काम चलाना होगा और उनकी बीवी परम आदरणीय हमारी भाभी जी का क्या होगा? वो तो दिन भर में पचासियों बार उन्हें कार्टून घोषित करती रहती हैं। अब तो घोषित करने लायक कुछ रहा ही नहीं।

'मिलने पर हम आपको पहचान पाएंगे?' हमने अपनी शंका जाहिर की।

'हमें क्या हुआ है?' चुन्नी बाबू चौंक कर बोले।

हमने कहा, 'अरे! अभी तो आपने कहा कि आप घिबली के वश में आकर कार्टून बन गए हैं।'

चुन्नी बाबू हमारी नादानी पर खुल कर हंसते हुए बोले, 'अरे मियां, घिबली इंसानों की फोटो को कार्टून में बदलता है। हम तो जैसे थे वैसे ही हैं। हमारे सहित लाखों लोग लगे हैं कार्टून बनने में। चलिए बहुत हुआ अब खुद करके देखिए तो समझ जाइएगा।' कह कर चुन्नी बाबू ने फोन काट दिया।

हम सोच रहे थे कि तरक्की की होड़ में दौड़ते-हांफते कार्टून बन चुके इंसान की छवि को कार्टून बनाने में इतने पैसे खर्च क्यों किए? और कर भी दिए तो ये झुनझुना हमें क्यों थमा दिया? हमारे अपने झुनझुने कम थे क्या? अब बजाने के लिए यह झुनझुना मुफ्त में मिल ही गया है तो हम भी टूट पड़े उसे टूटने की हद तक बजाने के लिए।

बीते सप्ताह यह खबर भी आई कि ओपन एआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन ने हाथ जोड़ कर इंसानों से विनती की है कि कार्टून बनने-बनाने की प्रक्रिया को धीमा करें ताकि उनके टूल्स लंबे समय तक प्रभावी रूप से इंसान की छवि को कार्टून बनाते रहें। *

रचनाएं आमंत्रित...

हिंदी दैनिक **हरिभूमि** के फीचर पृष्ठों (रविवार भारती, सहेली, बालभूमि और सेहत) में प्रकाशनार्थ आलेख, छोटी कहानियां, कविताएं, व्यंग्य, बाल कथाएं आमंत्रित हैं। लेखकों से अनुरोध है कि अपनी रचनाएं कृतिदेव या यूनिकोड फॉन्ट में हमें ईमेल आईडी haribhoomifeaturedep@gmail.com पर मेल करें।

विशेष: हनुमान जन्मोत्सव, 12 अप्रैल

धार्मिक स्थल / शिखर चंद जैन

वैसे तो रामभक्त हनुमानजी के अनेक मंदिर अपने देश में स्थित हैं। अपने देश के अलावा विदेशों में भी हनुमानजी के कई प्रतिष्ठित और अनूठे मंदिर हैं। हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर हम आपको देश-विदेश के कुछ अनूठे हनुमान मंदिरों के बारे में यहां बता रहे हैं।

देश-विदेश में स्थित हनुमान जी के अनूठे मंदिर

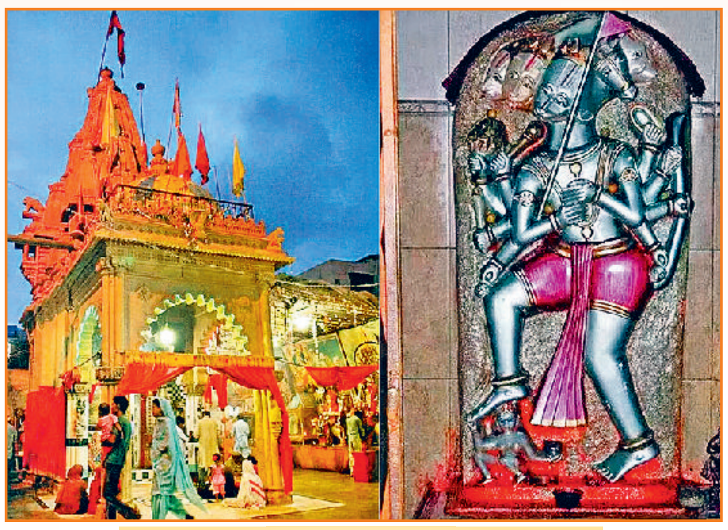

दत्तात्रेय मंदिर प्रांगण, त्रिनिडाड-टोबैगो

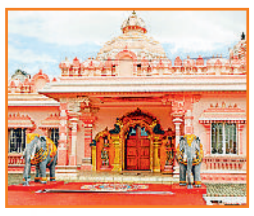

त्रिनिडाड-टोबैगो देश के कारापीचैमा/करापीचाइमा नामक स्थान में स्थित दत्तात्रेय मंदिर 9 जून 2003 को खोला गया था। इस मंदिर में हनुमान जी की 85 फीट ऊंची मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की गई है। साथ ही मूर्ति के आधार स्थल पर एक छोटा हनुमान मंदिर, दत्तात्रेय और अनघा देवी की प्रतिमाएं, राज राजेश्वरी, गणपति की प्रतिमा और शिव लिंग की भी स्थापना की गई है। भारत के बाहर मौजूद हनुमान जी की यह सबसे बड़ी प्रतिमाओं में से एक है। दक्षिण भारत की द्रविड़ वास्तुकला शैली में इस हनुमान प्रतिमा का निर्माण किया गया है। मुख्य मंदिर में प्रवेश करने से पहले भक्तों के पैर धोने के लिए कंक्रीट से निर्मित हाथी की दो विशाल प्रतिमाओं से पानी उपलब्ध कराया जाता है। मंदिर के प्रवेश द्वार पर एक गुंबद है, जिसमें सात अलग-अलग रंगों में विभिन्न प्रकार के वाद्ययंत्र बजाते हुए संगीतकारों की प्रतिमाएं मौजूद हैं। *

पंचमुखी हनुमान मंदिर, पाकिस्तान

आपको जानकर अचरज हो सकता है कि पाकिस्तान के कराची में स्थित पंचमुखी हनुमान मंदिर दुनिया के सबसे पुराने हनुमान मंदिरों में से एक माना जाता है। बताया जाता है कि यह मंदिर लगभग 1500 साल पुराना है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार वनवास के दौरान भगवान राम उस स्थान पर आए थे, जहां यह मंदिर बना हुआ है। सदियों पहले खुदाई में यहां हनुमान जी की मूर्ति मिली थी। श्रद्धालुओं का मानना है कि यहां यह मूर्ति दैवीय शक्ति से प्रकट हुई थी। इसलिए यहां भव्य मंदिर बना दिया गया। साल 2019 में यहां हनुमान जी की 9 अन्य मूर्तियां प्राप्त हुई थीं। इस मंदिर के प्रति श्रद्धालुओं में जिज्ञासा और आस्था बढ़ती ही जा रही है। पंचमुखी हनुमान मंदिर को पाकिस्तान में राष्ट्रीय विरासत का दर्जा भी मिला हुआ है। *

श्री आंजनेय मंदिर, मलेशिया

यह मंदिर मलेशिया के पोर्ट डिक्सन में स्थित है। अपने साथ जुड़ी रहस्यमयी कहानियों के कारण आंजनेय मंदिर दुनिया भर में प्रसिद्ध है। ऐसा माना जाता है कि मंदिर में रखी हनुमान प्रतिमा ने खुद ही अपना चेहरा रामेश्वरम मंदिर (भारत देश में स्थित) की ओर मोड़ लिया था। ऐसा कहा जाता है कि वर्ष 1996 में एक विदेशी फोटोग्राफर आंजनेय मंदिर की तस्वीरें क्लिक कर रहा था। जब वह कुछ और तस्वीरें क्लिक करने के लिए वापस लौटा तो उसने हनुमान जी की मूर्ति के शीष की दिशा में बदलाव देखा। यह देखकर वह अचरज में पड़ गया। उसने वहां उपस्थित लोगों से यह बात कही और तस्वीरें दिखाईं, तो सभी लोग इस चमत्कार से दंग रह गए। ध्यातव्य है कि रामेश्वरम भगवान शिव के द्वादश ज्योतिर्लिंगों में से एक है और इनकी स्थापना भगवान श्रीराम के द्वारा की गई मानी जाती है। *

जाखू मंदिर, हिमाचल प्रदेश

हिमाचल प्रदेश के जाखू में 8100 फीट की ऊंचाई पर मौजूद यह अत्यंत प्राचीन और जाग्रत हनुमान मंदिर, रामायण काल का बताया जाता है। इस मंदिर में 108 फीट ऊंची हनुमानजी की मूर्ति है। इस मंदिर और हनुमानजी की यह विशेष प्रतिमा देखने के लिए देश के कोने-कोने से श्रद्धालु आते हैं। मान्यता है कि रावण के साथ युद्ध के दौरान जब लक्ष्मणजी मूर्छित हो गए थे और हनुमानजी उनके लिए संजीवनी बूटी लेने जा रहे थे, तभी उनकी नजर यहां तप कर रहे एक यक्ष ऋषि पर पड़ी। हनुमानजी जरा क्लांत और संशय में थे। संजीवनी बूटी की सही जानकारी हासिल करने के लिए वे यहां कुछ समय के लिए ठहरे थे। यक्ष ऋषि के नाम पर ही अपभ्रंश होता हुआ, इस मंदिर का नाम जाखू मंदिर पड़ गया। *

बाला हनुमान मंदिर, गुजरात

बाला हनुमान मंदिर, जिसे श्री बालहनुमान संकीर्तन मंदिर के नाम से भी जाना जाता है, गुजरात के जामनगर में रणमल झील (लखोटा झील) के दक्षिण पूर्व में स्थित है। इस मंदिर में भगवान राम, सीताजी, लक्ष्मणजी और हनुमानजी की मूर्तियां हैं। 1 अगस्त, 1964 से मंदिर परिसर में दिन-रात राम धुन 'श्री राम, जय राम, जय जय राम' का जाप होता रहता है। इस चौबीसों घंटे चलने वाले अनुष्ठान को गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज किया गया है। स्थानीय लोगों की मंदिर में गहरी आस्था है और उनका मानना है कि यह मंदिर उन्हें प्राकृतिक आपदाओं और जीवन के अन्य संकटों से बचाता है। *

भगवान श्रीराम का अवतारी जीवन हमें मर्यादा, आदर्श और नीति का पाठ तो पढ़ाता ही है। इसके साथ ही साथ कॉर्पोरेट क्षेत्र से जुड़े आज के दौर के युवा भी श्रीराम से सात ऐसे गुण सीख सकते हैं, जो उन्हें मनचाही सफलता दिला सकते हैं।

भगवान राम से सीखें कॉर्पोरेट सफलता के सूत्र

प्रेरणा

लोकमित्र गौतम

भगवान राम न सिर्फ मर्यादा पुरुषोत्तम और नैतिक मूल्यों के प्रतीक हैं बल्कि उनके व्यक्तित्व में प्रबंधन के ऐसे गुण भी मौजूद हैं, जिन्हें सीखकर कोई भी युवा कॉर्पोरेट क्षेत्र में शानदार सफलता हासिल कर सकता है। ऐसे सात सूत्रों के बारे में हर युवा को जानना चाहिए।

नेतृत्व का गुण: भगवान राम न सिर्फ शक्तिवान हैं बल्कि वह एक समर्थ सेनापति और टीम लीडर भी हैं। राम-रावण युद्ध के नजरिए से देखें तो रावण के पास अपार सेना और युद्ध के सारे संसाधन थे, लेकिन जिस तरह भगवान राम अपनी थोड़ी सी भालू, बंदरों की सेना को उच्चस्तरीय प्रबंधन करते हुए रावण की विशाल सेना को हरा देते हैं, उनमें नेतृत्व क्षमता को साबित करता है। कॉर्पोरेट जगत में युवा अपनी टीम को स्पष्ट दृष्टि देने के लिए भगवान राम से यह गुण सीख सकते हैं। किस तरह अपनी टीम को प्रेरित किया जाए और कैसी विस्तृत रणनीति से सफलता सौ फीसदी हासिल की जाए?

कार्य विभाजन: रावण से युद्ध के पहले श्रीराम जानते थे कि उनके पास छोटी-सी सेना है। इसलिए उन्होंने सैनिकों में इस तरह काम का विभाजन किया कि सफलता हासिल हो। उन्होंने लक्ष्मण, हनुमान, सुग्रीव और विभीषण को उनकी क्षमता के मुताबिक जिम्मेदारियां सौंपीं। कॉर्पोरेट टीम लीडरशिप के लिए अपने साथियों की अधिकतम क्षमताओं का प्रयोग करने के लिए कार्य विभाजन हर हाल में आना चाहिए।

रणनीति प्रबंधन: कॉर्पोरेट सेक्टर में सफलता के लिए मजबूत नेटवर्किंग और सही साझेदारों की पहचान बहुत जरूरी होती है। आज के युवा सफलता का यह जरूरी गुण भगवान राम से सीख सकते हैं। भगवान राम ने हमेशा सही लोगों से मजबूत और विश्वसनीय संबंध बनाए। उन्होंने रावण से युद्ध के लिए सुग्रीव, हनुमान और विभीषण जैसे सहयोगियों की न केवल मदद ली बल्कि उस मदद को अधिकतम उपयोगी बनाने के लिए सटीक तौर पर रणनीतिक प्रबंधन का सहारा लिया।

धैर्य और आत्मविश्वास: जीवन का कोई भी क्षेत्र हो, सफलता के लिए धैर्य और आत्मविश्वास जरूरी है। खासकर जो आज के युवा स्टार्टअप शुरू कर रहे हैं, उन्हें जिस तरह की बाजार प्रतिस्पर्धा से गुजरना पड़ता है, उसमें धैर्य और आत्मविश्वास की महती जरूरत होती है। जिस तरह भगवान राम ने कभी भी धैर्य और आत्मविश्वास का साथ नहीं छोड़ा। उन्होंने अपने जीवन में कोई भी निर्णय जल्दबाजी में नहीं लिया। हर कदम को उठाने के पहले धैर्य से काम लिया। लंका पर भी आनन-फानन में हमला नहीं किया। रावण के हर कदम को अच्छी तरह से समझने के बाद ही उन्होंने युद्ध का ऐलान किया। आज के स्टार्टअप्स कल्चर में भी धैर्य और आत्मविश्वास की बहुत जरूरत पड़ती है।

अनुशासन: अनुशासन एक ऐसा गुण है, जो करियर में सफलता की चाह रखने वाले युवाओं में अनिवार्य रूप से होना चाहिए। जैसे भगवान राम ने 14 साल के वनवास को पूरे अनुशासन के साथ पूरा किया। युवाओं को भी भगवान राम की तरह ही अपने कर्म के प्रति अनुशासित रहना चाहिए।

समस्या समाधान की क्षमता: कोई भी कॉर्पोरेट दिग्गज अपने फील्ड में तभी सफलता हासिल कर पाता है, जब उसके पास यूनिक आइडियाज और स्मार्ट प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल हो। युवा, भगवान राम से इनोवेशन की महत्ता और समस्या के समाधान की विशिष्टता सीख सकते हैं।

नैतिकता और ईमानदारी: जमाना कोई भी हो, क्षेत्र कोई भी हो, बिना नैतिकता और ईमानदारी के किसी भी क्षेत्र में सफलता नहीं मिलती। कॉर्पोरेट क्षेत्र में सफलता के लिए युवाओं को इस मामले में भी भगवान राम से एक बड़ी सीख मिलती है, वह यह कि सफलता के लिए कभी भी अनैतिक और गैरईमानदार नहीं होना चाहिए। भगवान राम ने सदैव धर्म का पालन किया, ईमानदारी का मार्ग अपनाया इसलिए कभी भी वह सफलता से वंचित नहीं रहे। *

लाइफस्टाइल

अंजू जैन

आप अपनी फिजिकल और मेंटल हेल्थ को मेंटेन करने के लिए तो कई एफर्ट करते हैं। लेकिन क्या अपनी सोशल हेल्थ पर भी पूरा ध्यान देते हैं? कैसे रहें सोशली हेल्दी, जानिए।

इन रूल्स को करें फॉलो आप रहेंगे सोशली हेल्दी

बहुत कम लोगों को पता है कि तन और मन के स्वास्थ्य के लिए सामाजिक, पारिवारिक रिश्ते और संपर्क बनाए रखना जरूरी होता है। ऐसा न करने से लोग हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, हार्ट डिजीज, स्ट्रेस और डिप्रेशन जैसी बीमारियों की चपेट में आ जाते हैं।

क्या है सोशल हेल्थ: हमारा सोशल सर्किल कैसा है, हमें मुसीबत में देखकर कितने लोग मदद का हाथ बढ़ाते हैं, दुःख-सुख में हमारे पास बैठकर बातें करने वाले कितने लोग हमारे संपर्क में हैं, हमारी सामाजिक प्रतिष्ठा और लोगों के साथ बॉन्डिंग कैसी है? यह सब निर्भर करता है, हमारी सोशल हेल्थ पर। सामाजिक स्वास्थ्य को दूसरों के साथ बातचीत करने और रिलेशन बनाने की क्षमता के रूप में डिफाइन किया जा सकता है।

सोशल हेल्थ का महत्व: सोशल हेल्थ का अच्छा स्तर बनाए रखने से आप दूसरों के साथ अच्छे संबंध बना सकते हैं। इन रिश्तों में दोस्ती, पारिवारिक और प्रोफेशनल रिश्ते शामिल हैं। अध्ययनों से पता चलता है कि वीक सोशल हेल्थ वाले लोगों में स्ट्रोक का खतरा 32%, मेंटल प्रॉब्लम्स का खतरा 50% और समय से पहले मृत्यु का खतरा 29% बढ़ जाता है। बीते कुछ सालों में विभिन्न अध्ययनों से पता चलता है कि सामाजिक संबंधों की गुणवत्ता और इनके लेवल दोनों का हमारे जीवन पर टेंपररी और परमानेंट प्रभाव पड़ता है।

सोशली हेल्दी होने के लक्षण: अगर आप मधुर, प्रभावी ढंग से बातचीत करते हैं, अपने सामाजिक और व्यक्तिगत जीवन को संतुलित रखते हैं, वर्क प्लेस, सोसाइटी और अपने परिवार में लोगों के साथ जुड़े रहते हैं, सामाजिक परिस्थितियों में खुद को इंवॉल्व कर लेते हैं, दूसरों के साथ सम्मानपूर्वक व्यवहार करते हैं, मित्रता और सोशल नेटवर्क विकसित करने और बनाए रखने में सक्षम हैं तो इसका अर्थ होगा कि आप सोशली हेल्दी हैं।

ऐसे रहेंगे सोशली हेल्दी: सोशली हेल्दी रहने के लिए आपको कुछ बातों का ध्यान रखना होगा।

- टॉक्सिक रिलेशंस से बचें क्योंकि कोई रिलेशन जब टॉक्सिक हो जाता है तो वह कभी भी आपकी आर्थिक, मानसिक या शारीरिक सेहत के लिए सही नहीं होगा।
- अपना सोशल नेटवर्क बढ़ाने, लोगों के साथ बॉन्डिंग बढ़ाने के लिए धार्मिक और सामाजिक समूह का हिस्सा बन सकते हैं। इससे आप लोगों से जुड़ते हैं। ये संबंध आपके सामाजिक स्वास्थ्य में योगदान देते हैं।
- अपने रिश्तों को पोषित करने के लिए, दोस्ती को बनाए रखने के लिए हमेशा प्रयास करते रहें। यह आपके सामाजिक स्वास्थ्य के लिए भी बहुत अच्छा है। रिश्ते को मधुर बनाने के लिए दोनों तरफ से प्रयास की जरूरत होती है।
- अच्छी सोशल हेल्थ के लिए दूसरों में कमियां न निकालें, उनकी आलोचना न करें। एक समझदार व्यक्ति की तरह स्वीकार करें कि हर किसी को अपना जीवन अपने मन से अलग तरीके से जीने का अधिकार है। आपको यह भी मानना चाहिए कि आप हमेशा सही नहीं होते, इसलिए ऐसा व्यवहार न करें जैसे आप ही सही हैं।
- किसी से कोई मतभेद हो या समस्या हो तो बिना क्रोध या दोषारोपण के किसी समस्या के बारे में बात करें। यह सम्मानजनक संबंध बनाए रखने में मदद करता है, जो आपके सामाजिक स्वास्थ्य में योगदान देता है।

- दुनिया में हर कोई महत्वपूर्ण महसूस करना चाहता है। इसलिए अपने मित्रों, सहयोगियों और परिवार के सदस्यों की सराहना करने में कंजूसी न करें। इससे आपका सामाजिक स्वास्थ्य मजबूत होगा।
- हर कोई चाहता है कि उसकी बात ध्यान से सुनी जाए। इसलिए किसी को इग्नोर न करें, ध्यान से दूसरों की बातों को सुनें। उचित हो तभी प्रतिक्रिया दें। इन बातों का ध्यान रखने से आपकी सोशल हेल्थ अच्छी रहेगी। *

(मनोविज्ञानी डॉ. रूपा तालुकदार से बातचीत पर आधारित)

खास मुलाकात

आरती सक्सेना

ईद के मौके पर दर्शकों को सलमान खान की नई फिल्म का इंतजार रहता है। इस बार भी उन्होंने अपने फैंस को निराश नहीं किया। दर्शकों को ईद का तोहफा फिल्म 'सिकंदर' के रूप में मिला। एक खास मुलाकात में इस फिल्म के एक्सपीरियंस, इसके बिजनेस को लेकर सलमान खान ने खुलकर बातचीत की। पेश है इस बातचीत के प्रमुख अंश।

बॉक्स ऑफिस कलेक्शन को लेकर मैं ज्यादा नहीं सोचता : सलमान खान

सलमान खान बॉलीवुड के उन चुनिंदा एक्टरों में से एक हैं, जो लगभग साढ़े तीन दशक से हिंदी फिल्म इंडस्ट्री पर राज कर रहे हैं। बीते 30 मार्च को ईद के अवसर पर उनकी नई फिल्म 'सिकंदर' रिलीज हुई है। इस फिल्म में उनके अपोजिट हैं, साउथ की स्टार 'नेशनल क्रश' कही जाने वालीं रश्मिका मंदाना। फिल्म को डायरेक्ट किया है फिल्म 'गजनी' फेम डायरेक्टर ए. आर. मुरुगदॉस ने। फिल्म 'सिकंदर' को दर्शकों और क्रिटिक्स की मिली-जुली प्रतिक्रिया मिल रही है। बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की बात करें, तो इन पंक्तियों के लिखे जाने तक यह फिल्म वर्ल्ड वाइड एक सौ सत्तर करोड़ से अधिक की कमाई कर चुकी है और अभी भी दर्शकों में इसे देखने को लेकर क्रेज बना हुआ है। इस फिल्म से जुड़े कुछ सवालों के जवाब सलमान खान ने दिए इस बातचीत में।

आपकी फिल्म 'सिकंदर' हाल में ईद पर रिलीज हुई है। इससे पहले भी आपकी कई फिल्में ईद के मौके पर रिलीज होती रही हैं। ईद पर ही फिल्म रिलीज करने की कोई खास वजह?

ईद पर फिल्म रिलीज करने के पीछे एक वजह तो यह है कि इस दिन लोगों की छुट्टी होती है और दर्शक थिएटर तक फिल्म देखने आ सकते हैं। दूसरी वजह है कि त्योहार का खुशनुमा माहौल और पॉजिटिव वाइब्स फिल्म के लिए फायदेमंद साबित होती हैं। मुझे त्योहार मनाना अच्छा लगता है फिर चाहे वह ईद हो या दिवाली। इसी दौरान अगर मेरी फिल्म रिलीज होती है तो और अच्छा लगता है।

फिल्म 'सिकंदर' के एक सीन में सलमान खान

फिल्म के डायरेक्टर ए. आर. मुरुगदॉस के साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा?

बहुत ही अच्छा! उनका काम करने का तरीका बहुत यूनिक है। मैं उनके काम से बहुत प्रभावित हूं। फिल्म देखकर आपको पता चलेगा कि 'सिकंदर' के लिए उन्होंने कितनी मेहनत की है। इससे पहले भी उन्होंने जो फिल्में बनाई हैं, उसमें उनका काम बोलता है। फिर चाहे वह आमिर खान की फिल्म 'गजनी' हो या उनकी डायरेक्टेड साउथ की फिल्में हों।

'सिकंदर' में रश्मिका मंदाना के साथ रोमांटिक जोड़ी बनाने को लेकर, उम्र के फर्क को लेकर आप पर बहुत कमेंट किए गए। इस पर आप क्या कहना चाहेंगे?

हां, मैंने भी लोगों से सुना है कि रश्मिका मुझसे आधी उम्र की है, मुझे उसके साथ जोड़ी नहीं बनानी चाहिए थी, हमारी जोड़ी उम्र के गैप की वजह से सही नहीं लग रही है। ऐसे लोगों के लिए मैं यही कहना चाहूंगा कि जब हीरोइन को मेरे साथ जोड़ी बनाने में कोई फर्क नहीं पड़ता, मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता, तो हमारी जोड़ी से लोगों को क्या प्रॉब्लम है? हमारी जोड़ी फिल्म के लिए है, फिल्म की कहानी के हिसाब से है। अच्छी है या बुरी है, यह तो दर्शक तय करेंगे न।

'सिकंदर' को रिलीज हुए एक सप्ताह ही हुआ है और फिल्म ने वर्ल्ड वाइड एक सौ सत्तर करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है। ऐसे में आपको इस फिल्म से आगे क्या उम्मीदें हैं?

हर कलाकार चाहता है कि उसकी फिल्म अच्छा बिजनेस करे। वैसे बॉक्स ऑफिस कलेक्शन को लेकर मैं ज्यादा सोचता नहीं हूं। मैं सिर्फ अपने काम पर ध्यान देता हूं और एक बार काम खत्म हो गया, तो सारी टेंशन छोड़ देता हूं। वैसे पर्सनली मैं अगर बात करूं, तो फिल्म अच्छी बनी है। मेरे पिताजी ने भी फिल्म देखी है। उन्होंने भी 'सिकंदर' की तारीफ की है। उन्हें भी फिल्म अच्छी लगी है।

'सिकंदर' की रिलीज के तीन दिन पहले मोहनलाल की 'एल2 एंपुरान' रिलीज हुई थी और अब सनी देओल की फिल्म 'जाट' रिलीज होने वाली है। इन फिल्मों की वजह से 'सिकंदर' के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन पर क्या कोई इफेक्ट पड़ेगा?

'एल2 एंपुरान' को पृथ्वीराज सुकुमारन ने डायरेक्ट किया है। इस फिल्म के एक्टर मोहनलाल सर को एक अभिनेता के तौर पर मैं बहुत पसंद करता हूं। मुझे पक्का यकीन है कि यह एक बेहतरीन फिल्म होगी। जहां तक 'जाट' का सवाल है तो वह सनी प्राजी की फिल्म है। मोहनलाल और सनी देओल दोनों से ही से मेरे बहुत अच्छे संबंध हैं। आपस में कैसा टकराव? मैं तो चाहता हूं कि हम सभी की फिल्में अच्छी चलें। हम सभी अपना काम ईमानदारी से कर रहे हैं। तो उसका अच्छा फल ही मिलेगा। *

मेरे पिता हैं रियल लाइफ सिकंदर

इस फिल्म में तो सलमान खान सिकंदर का रोल निभा रहे हैं। लेकिन रियल लाइफ सिकंदर वे किसे मानते हैं? इसके जवाब में सलमान कहते हैं, 'मेरे जीवन में सिकंदर तो एक ही हैं और वह हैं- मेरे पिता सलीम खान। वह आज जो भी हैं, अपने दम पर हैं। मेरे वालिद (पिता) का कोई फिल्मी बैकग्राउंड नहीं था। उनको कुछ भी नहीं मालूम था कि ग्लैमर वर्ल्ड में अपने आपको कैसे स्थापित करना है। अपने टैलेंट और अपनी मेहनत के बल पर उन्होंने इंडस्ट्री में अपना एक अलग मुकाम बनाया। उन्होंने सिर्फ अपने आपको ही नहीं हमारे पूरे परिवार को अपने अकेले दम पर संभाला और सभी को एक मुकम्मल मुकाम दिया। इसलिए मेरी नजर में असली सिकंदर वही हैं।